आज का सुविचार

वे कभी अकेले नहीं रहते, जिनके श्रेष्ठ विचार रहते है ।

सर फिलिप सिडनी

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

आईटीडीसी इंडिया ई़प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221

डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-4 अंक-326 भोपाल, बुधवार 06 अक्टूबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

पंचांग

आश्विन कृष्णा चतुर्थी, बुधवार 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:14/6:04
वर्षा/बादल %	11
नमी %	È¤èâÎè
वायु (किमी/घ.)	64
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	È¤èâÎè

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला

₹ 47,835

शेयर सूचकांक

बीएसई	59744.88	+445.56
निफ्टी	17822.30	+131.05

फेसबुक का शेयर 5 फीसदी तक टूटा : फेसबुक के डाउन होने से मार्क जुकरबर्ग को 7 अरब डॉलर का नुकसान, अरबपतियों की लिस्ट में 5वें स्थान पर पहुंचे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
सोमवार को दुनियाभर में कई घंटे फेसबुक की सभी सर्विसेज डाउन रहीं। फेसबुक की सर्विसेज के अलावा इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप, अमेरिकी टेलीकॉम कंपनियां जैसे Verizon, At&t और T Mobile की सर्विस भी घंटों तक ठप रहीं। फेसबुक के डाउन होने से इसके को-फाउंडर और CEO मार्क जुकरबर्ग को व्यक्तिगत रूप से भी भारी नुकसान हुआ है। उनकी नेटवर्थ में कुछ ही घंटे में 7 अरब डॉलर (52,212 करोड़ रुपए) की गिरावट आ गई और वह अरबपतियों की लिस्ट में एक पायदान नीचे फिसल गए।

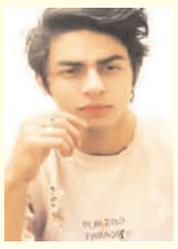

बिलिनेयर इंडेक्स में 5वें स्थान पर पहुंचे जुकरबर्ग

ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक इसकी वजह से जुकरबर्ग का नेटवर्थ घटकर 122 अरब डॉलर रह गई और वह बिल गेट्स से नीचे 5वें स्थान पर पहुंच गए। पहले वह इस लिस्ट में चौथे स्थान पर थे। इस साल 13 सितंबर से अब तक उनकी नेटवर्थ में 19 अरब डॉलर की गिरावट आ चुकी है।

फेसबुक का शेयर 5 फीसदी तक टूटा

इस बीच अमेरिकी शेयर बाजार में फेसबुक के शेयर्स में जोरदार बिकवाली शुरू हो गई और एक दिन में ही शेयर की कीमत में 5 फीसदी की गिरावट आ गई। मध्य सितंबर से अब तक यह शेयर 15 फीसदी टूट चुका है।

6 घंटे तक डाउन रहे ऐप्स

भारतीय समयानुसार सोमवार रात 10 बजे के आसपास दुनिया भर में फेसबुक की सभी सर्विसेज डाउन रहीं। फेसबुक की सर्विसेज के अलावा इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप, अमेरिकी टेलीकॉम कंपनियां जैसे Verizon, At&t और T Mobile की सर्विस भी घंटों तक ठप रहीं। हालांकि तकरीबन 6 घंटे तक डाउन रहने के बाद इन ऐप्स ने फिर से आंशिक रूप से काम करना शुरू कर दिया है।

व्यवधान के लिए खेदः जुकरबर्ग

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के ष्टश्वह्र मार्क जुकरबर्ग ने कहा है कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप और मैसेंजर फिर से शुरू हो गए हैं। व्यवधान के लिए खेद। मुझे मालूम है जिन लोगों की आप केयर करते हैं, उनसे जुड़े रहने के लिए आपको हमारी सर्विसेज पर कितना भरोसा है।

किसान नेता का हरियाणा मुख्यमंत्री को चैलेंज : चढूनी ने कहा- एक तरफ आप लट्ठ उठाओ दूसरी ओर मैं, दो-दो हाथ कर लेते हैं

हार गया तो आपका गुलाम बन जाऊंगा

उठा लो लट्ठ। उग्र किसानों को तुम भी जवाब दो। देख लेंगे, 5-6 महीने जेल में रह आओगे तो बड़े नेता बन जाओगे।

मनोहर लाल, हरियाणा के CM

किसी चक्कर में मत रहना है। आप गुंडे तैयार कर लो हम किसान तैयार कर लेंगे। एक दिन में ही काम निपटा देते हैं।

गुरनाम चढ़ूनी, किसान नेता

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को एक चैलेंज दिया है। चैलेंज दो-दो हाथ करने का है। दरअसल मनोहर लाल ने किसानों से निपटने के लिए कार्यकर्ताओं को लट्ठ उठाने और जैसे को तैसा जवाब देने के लिए कहा था। इस पर चढूनी ने कहा है कि किसी चक्कर में न रहना, तारीख रख लें कब आना है। आप गुंडे तैयार कर लो, हम किसान तैयार कर लेंगे। एक दिन में ही काम निपटा देते हैं। मगर हम पहले वार नहीं करेंगे। हम पर वार हुआ तो जो होगा, वह अच्छा नहीं होगा। चढूनी ने कहा कि कभी भी समय रख लें और दो-दो हाथ कर लें। दूसरों के लड़के मरवाने की जरूरत नहीं है। एक तरफ आप लट्ठ उठाकर आ जाओ और दूसरी तरफ मैं आता हूं। अगर आपने मुझे हरा दिया मैं यूनियन छोड़ दूंगा और आपका गुलाम रहूंगा। आप हार गए तो मुख्यमंत्री का पद छोड़कर हमारी बातें मान लेना।

गिरफ्तारी के बाद रिहा हुए चढूनी

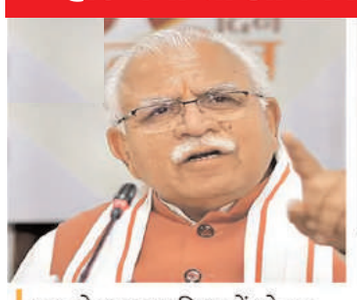

गुरनाम चढूनी को लखीमपुर खीरी की घटना के बाद मेरठ में गिरफ्तार कर लिया गया था। देर रात उन्हें छोड़ा गया। चढूनी ने रिहाई के बाद गाड़ी में ही वीडियो बनाकर बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि मनोहर लाल का बयान निंदनीय है। वे कह रहे है कि पांच-सात सौ युवाओं के ग्रुप बना लो, लट्ठ उठा लो और किसानों पर हमले करो, फिर 5 से 6 महीने जेल में लग जाएंगे तो नेता बन जाओगे। यह भाषा मुख्यमंत्री की नहीं है। पहले हमें दंगाई कहते थे। मगर हमने कभी लड़ाई झगड़े की बात नहीं की है।

वायरल हो रहा मनोहर लाल का बयान:- हरियाणा के मुख्यमंत्री के बयान का वीडियो लखीमपुर खीरी में हुई घटना के बाद खूब वायरल किया जा रहा है। सभी विपक्षी पार्टियों की तरफ से उनका वीडियो मीडिया पर पोस्ट जा रहा है। इस पर प्रतिक्रिया दी जा रही है कि जो लखीमपुर में हुआ, वह सब मनोहर लाल के उस बयान का ही नतीजा है।

चीन जैसा बिजली संकट

पावर प्लांट्स के पास सिर्फ चार दिन के कोयले का स्टॉक बिजली के दाम में 63 फीसदी ज्यादा का उछाल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
देश में चीन जैसा बिजली संकट पैदा हो सकता है और औद्योगिक गतिविधियां ठप हो सकती हैं। यहां बिजली उत्पादन के लिए पावर प्लांट्स के पास कोयले का स्टॉक काफी कम रह गया है। देश में लगभग 70 फीसदी बिजली कोयले से बनती है इसलिए बिजली की कीमत में तेज उछाल आया है। लेकिन राहत की बात यह है कि घरेलू उपभोक्ताओं को अगले कुछ महीनों तक ज्यादा दाम नहीं चुकाना पड़ेगा। उनकी बिजली तभी महंगी होगी, जब डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों को दाम बढ़ाने के लिए रेगुलेटर की मंजूरी मिलेगी।

अगस्त की शुरुआत में था 13 दिन का स्टॉक

जानकारों का कहना है कि कोयले की कमी के चलते बिजली गुल होने लगी तो दुनिया में सबसे तेज ग्रोथ वाली इकोनॉमी का पहिया कुछ समय के लिए जाम हो सकता है। आधे से ज्यादा प्लांट्स में उत्पादन ठप होने को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर के अंत में देशभर के पावर प्लांट्स के पास औसतन चार दिन का कोयला रह गया था, जो साल का सबसे निचला स्तर था। अगस्त की शुरुआत में उनके पास 13 दिन तक बिजली पैदा करने लायक कोयले का स्टॉक था। कोयले की कमी को देखते हुए एल्यूमीनियम कंपनियों और स्टील मिलों सहित अहम ग्राहकों को मिलने वाली सप्लाई में कटौती की जा रही है।

ड्रग्स केस के आरोपी आर्यन का खुलासा : पापा से मिलने के लिए अपॉइंटमेंट लेना पड़ता है

नई दिल्ली। ड्रग्स मामले में गिरफ्तार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान समेत 8 आरोपी 7 अक्टूबर तक नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की कस्टडी में हैं। NCB की

पूछताछ में आर्यन खान ने खुलासा किया है कि उन्हें अपने पिता के बिजी शेड्यूल के कारण उनसे मिलने के लिए मैनेजर पूजा से अपॉइंटमेंट लेना पड़ता है। शाहरुख खान इन दिनों एक साथ अपने कई अपकमिंग प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। जिसके चलते इन दिनों उनका शेड्यूल काफी टाइट है। ऐसे में उनके बच्चों को भी उनसे मिलने के लिए अपॉइंमेंटमेंट लेना पड़ता है। आर्यन ने ह्रष्टक्च को यह भी बताया है कि उन्होंने विदेश से फिल्ममेकिंग का कोर्स किया है।

इन दिनों कई फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं शाहरुखत्न- आर्यन ने NCB को पूछताछ में अपने पिता शाहरुख के बिजी शेड्यूल की जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, आर्यन ने बताया कि उनके पिता अभी एक साथ कई फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं। आर्यन ने बताया कि अपनी अपकमिंग फिल्म पठान को लेकर शाहरुख बहुत मेहनत कर रहे हैं। पठान में अपने रोल के लिए उन्हें कई घंटे तक मेकअप में भी रहना पड़ता है। बता दें कि ड्रग्स मामले में अब दिल्ली के 4 लोगों को लेकर मंगलवार को दिल्ली NCB टीम मुंबई NCB के ऑफिस पहुंची है।

जरात की राजधानी गांधीनगर में भाजपा को 10 साल बाद बहुमत, नगर निगम की 44 में से 41 सीटें जीतीं

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव के नतीजे आ गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस गढ़ में भाजपा ने 44 में से 40 सीटों पर जीत हासिल की है। इस तरह भाजपा म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन क 90 फीसदी पर कब्जा करने में कामयाब रही है। वहीं, कांग्रेस को 3 और आम आदमी पार्टी यानी AAP को एक सीट ही मिली। गांधीनगर में महानगर पालिका चुनाव के लिए रविवार को वोटिंग हुई थी। भाजपा को गांधीनगर नगर निगम में 10 साल बाद बहुमत मिला है।

अर्थव्यवस्था में तेज रफ्तार : भारत की रेटिंग सुधरने की उम्मीद इकोनॉमी की ग्रोथ कोरोना के पहले के लेवल पर पहुंची

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
भारत की अर्थव्यवस्था में जबरदस्त तेजी आ सकती है। दरअसल ऐसी उम्मीद है कि रेटिंग एजेंसिया भारत की रेटिंग इस वित्तवर्ष में बढ़ा सकती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इकोनॉमी के कई सारे इंडिकेटर्स अब कोरोना के पहले यानी 2019 की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

पिछले साल जून में घटी थी रेटिंग

दरअसल कोरोना की वजह से मूडीज ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को पिछले साल जून में घटा दिया था। उस समय कोरोना के पहले चरण की वजह से देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर होने की आशंका थी। इसी वजह से मूडीज ने रेटिंग को Baaw से घटाकर Baax कर दिया था। पिछले महीने इस इंटरनेशनल फर्म ने कहा था कि भारत में अर्थव्यवस्था की गतिविधियां तेजी पकड़ रही हैं। कोविड प्रतिबंधों के ढीले होने से अर्थव्यवस्था में सुधार दिख रहा है।

मूडीज ने पिछले साल रेटिंग को घटाकर Baa3 किया था

28 सितंबर को वित्तमंत्रालय में मूडीज के अधिकारियों की मुलाकात

वित्तमंत्रालय ने रेटिंग से संबंधित सभी जानकारी दी

28 सितंबर को वित्तमंत्रालय से मुलाकात

वित्त मंत्रालय के अधिकारी रेटिंग एजेंसी मूडीज से 28 सितंबर को मुलाकात किए हैं। कहा जा रहा है कि देश की रिकवरी को देखते हुए रेटिंग अपग्रेड के लिए रेटिंग एजेंसी से कहा गया है। वित्तमंत्रालय ने महंगाई से लेकर फिस्कल डेफिसिट, करेंट अकाउंट सरप्लस आदि के बारे में पूरा ब्यौरा दिया है।

एक नजर देश की इकोनॉमी के प्रमुख मोर्चों पर

अगले हफ्ते रिजर्व बैंक की मॉनिटरी पॉलिसी की बैठक है। यहां से रिजर्व बैंक अब रेट को स्थिर रखने या फिर उसमें बढ़त करने की शुरुआत कर सकता है। इसी हफ्ते से कंपनियों के दूसरी तिमाही के रिजल्ट आएंगे। रिजल्ट अच्छा रहने की उम्मीद है। कंपनियां निवेश पर खर्च करेंगी, पैसे जुटाएंगी और इससे उनकी क्रेडिट रेटिंग अपग्रेड होगी।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रानी दुर्गावती के चित्र पर माल्यार्पण किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीरांगना रानी दुर्गावती की जयंती के अवसर पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास स्थित सभागार में रानी दुर्गावती के चित्र पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ट्वीट किया है कि अपने रणकौशल, चतुराई और पराक्रम से मुगल शासकों को छठी का दूध याद दिला देने वाली वीरांगना रानी दुर्गावती जी की गौरवगाथा आज की बेटियों को सदैव आगे बढ़ने और सत्य के लिए लड़ने का साहस देगी। मातृभूमि और आत्म-गौरव की रक्षा के लिए रणचण्डी बन जाने वाली, शौर्य एवं साहस का पर्याय, महान वीरांगना रानी दुर्गावती जी की जयंती पर कोटिश- नमन।

हितग्राहियों के घर पहुँचकर एसीएस श्री कंसोटिया ने ली कड़कनाथ पालन की जानकारी

भोपाल। अपर मुख्य सचिव पशुपालन एवं डेयरी श्री जे.एन. कंसोटिया ने मेघनगर के विभिन्न गाँवों में हितग्राहियों के घर पहुँचकर कड़कनाथ चूज़ा प्रदाय योजना की प्रत्यक्ष जानकारी ली। श्री कंसोटिया को ग्राम गुडा में हितग्राही सुनीता ने बताया कि उन्हें 50 चूज़े मिले हैं, जिनमें से 7 की मृत्यु हो गयी है, लेकिन बाकी सभी स्वस्थ हैं और लगभग 2 माह के हो गये हैं। सुनीता ने कहा कि कड़कनाथ की देशी मुर्गे की तुलना में अधिक माँग और कीमत होने से हमें अच्छी आय हो रही है। निःशुल्क चूज़ों के पालन के बाद अधिक लाभ को देखते हुए मैंने कृषि विज्ञान केन्द्र में स्वयं के व्यय पर कड़कनाथ चूजा़ खरीदने के लिये भी राशि जमा कराई है। श्री कंसोटिया ने सुनीता के घर पर एनएडीसीपी राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एक भैंस और 4 गौ-वंश के कानों में यूनीक आई-टेग लगाने की प्रशंसा की। श्री कंसोटिया ने कहा कि सभी गाँव वालों को जागरूक करें कि वे मवेशियों में आई-टेग जरूर लगवाएँ। अन्य हितग्राही लालू वीरसिंह के कुक्कुट शेड का भी श्री कंसोटिया ने निरीक्षण किया। वीरसिंह ने बताया कि उन्हें योजना में 50 कड़कनाथ चूज़े, 30 किलो कुक्कुट आहार और दाना-पानी के बर्तन निःशुल्क प्राप्त हुए हैं। इनमें से 44 चूज़े स्वस्थ हैं और अच्छी वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि फायदे का धन्धा होने के कारण वह और उनका परिवार कड़कनाथ पालन में वृद्धि करने की योजना बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 6 अक्टू. को मध्यप्रदेश में स्वामित्व योजना के हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख का वितरण करेंगे

» स्वामित्व योजना में 19 जिलों के 3000 ग्रामों में होगा अधिकार अभिलेखों का वितरण

» सीहोर, हरदा और डिंडोरी जिले के हितग्राहियों से करेंगे वर्चुअल संवाद

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 6 अक्टूबर को स्वामित्व योजना में मध्यप्रदेश के 19 जिलों के 3000 ग्रामों में एक लाख 71 हजार हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख का वितरण करेंगे। साथ ही सीहोर, हरदा और डिंडोरी जिले के हितग्राहियों से वर्चुअल संवाद भी करेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्वामित्व योजना की जानकारी और योजना के लाभ से अवगत करवाते हुए मार्गदर्शन भी देंगे। मध्यप्रदेश में 17 सितम्बर से 7 अक्टूबर तक चलाए जा रहे जनकल्याण और सुराज अभियान में स्वामित्व योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान हरदा जिले से शामिल होंगे। अन्य जिलों से हितग्राही और जन-प्रतिनिधि कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे। स्वामित्व योजना को जिन 9 राज्यों में पायलेट आधार पर लागू किया गया है, उनमें मध्यप्रदेश भी शामिल है। मध्यप्रदेश में स्वामित्व योजना का क्रियान्वयन तीन चरणों में 10-10 जिलों को शामिल कर क्रमबद्ध रूप से प्रारंभ किया गया हैं। स्वामित्व योजना में सर्वे ऑफ इंडिया की सहायता से ग्रामों में बसाहट क्षेत्र पर ड्रोन के माध्यम से नक्शे का निर्माण तथा डोर-टॅ-डोर सर्वे कर अधिकार अभिलेखों का निर्माण किया जा रहा है। अभी तक मध्यप्रदेश के 42 जिलों में सर्वेक्षण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है, जिसमें 24 ड्रोन 24 जिलों में कार्य रह रहे हैं। इनमें से 6500 ग्रामों में ड्रोन कार्य पूर्ण कर चुके हैं।

नियमों का किया सरलीकरण

मध्यप्रदेश में हितग्राहियों को योजना का अधिक से अधिक लाभ प्रदान करने के लिए सर्वे के नियमों का वर्तमान आवश्यकता के अनुसार सरलीकरण किया गया है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों को विधिक दस्तावेज का दर्जा देना, सर्वे को समय-सीमा में पूर्ण करना, अभिलेखों को पारदर्शिता के साथ तैयार करना, सर्वे प्रक्रिया को ऑन लाइन करना और एप्प के माध्यम से सर्वेक्षक मौके पर धारक का नाम जोड़ना आदि हैं। इस प्रक्रिया को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली और अन्य राज्यों ने इसे अपने यहाँ लागू करने के लिए प्रक्रिया का अवलोकन भी किया है।

स्वामित्व योजना से लाभ

- ग्राम की आबादी भूमि में अपना मकान बनाकर रहने वाले ग्रामवासियों को अपने घर का मालिकाना हक मिल सकेगा।
- आबादी भूमि के कागजात मिल जाने से कानून का सहारा मिलने लगेगा।
- मनमर्जी से घर बनाने और अतिक्रमण की समस्या से निजात मिलेगी।
- सम्पत्ति का रिकार्ड हो जाने से बैंक लोन लिया जा सकेगा।
- भूमि संबंधी विवाद भी खत्म होंगे।
- जमीन एवं भवन के नामांतरण एवं बंटवारे आसानी से हो सकेंगे।
- सरकारी भवन भी योजनाबद्ध तरीके से निर्मित किये जा सकेंगे।
- गाँव में आबादी की भूमि को लेकर भ्रम की स्थिति खत्म होगी।

प्रधानमंत्री ने लखनऊ में आजादी का अमृत महोत्सव पर आयोजित सम्मेलन-सह-एक्सपो का किया उद्घाटन

» नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह सम्मेलन में हुए शामिल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लखनऊ में आजादी@75-नया शहरी भारत = शहरी परिदृश्य में बदलाव%% सम्मेलन-सह-एक्सपो का उद्घाटन किया। सम्मेलन में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह शामिल हुए। लखनऊ में आयोजित सम्मेलन-सह-एक्सपो में इंदौर के लाइट हाउस प्रोजेक्ट, बॉयो मेथेशन (बॉयो सीएनजी) प्लांट, द फूड स्ट्रीट-छप्पन दुकान का जीर्णोद्धार और मेटेरियल रिकवरी फेसिलिटी से संबंधित गतिविधियों की प्रदर्शनी लगाई गई है। सम्मेलन में शामिल होने आये विभिन्न प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर देश के स्वच्छतम शहर इंदौर में संचालित इन गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

लाइट हाउस प्रोजेक्ट

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवासीय इकाइयों के निर्माण कार्य की गुणवत्ता को और बेहतर करने तथा कार्य में गति लाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा ग्लोबल हाउसिंग टेक्नालॉजी चेलेंज-इण्डिया का प्रारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत लाइट हाउस प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिये देशभर से चयनित 6 शहरों में इंदौर को शामिल किया गया है। इसके तहत इंदौर में 128 करोड़ की लागत से वन बीएचके के 1024 आवासीय इकाइयों का निर्माण अत्याधुनिक प्री-फेब्रीकेटेड सेंडविच पैनल सिस्टम टेक्नालॉजी से किया जायेगा। इंदौर नगर निगम ने सार्वजनिक परिवहन में पेट्रोलियम का उपयोग कम करने और बॉयो प्रदूषण को हतोत्साहित करने के लिये अपशिष्ट से ऊर्जा रूपांतरण की एक अनूठी पहल शुरू की है। इंदौर नगर निगम द्वारा लगाये गये बॉयो सीएनजी प्लांट से मिलने वाली सीएनजी गैस का उपयोग 15 बसों में किया जा रहा है। इसे और आगे बढ़ाया जायेगा।

एनसीपीसीआर द्वारा बच्चों के लिए समर्पण कार्यक्रम

प्रदेश के तीन जिलों से की गई शुरूआत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग द्वारा %%बच्चों के लिए समर्पण%% कार्यक्रम की शुरूआत की है। इसमें ऐसे बच्चों की वित्तीय सहायता की जायेगी, जिन्होंने कोरोना महामारी के कारण अपने माता-पिता में से किसी एक को या दोनों को खो दिया है। बच्चों के लिए समर्पण कार्यक्रमों में अपर मुख्य सचिव महिला बाल विकास श्री अशोक शाह के नेतृत्व में 4 अक्टूबर को ऑनलाइन माध्यम से इस कार्यक्रम को लॉन्च किया गया। आयोग के अध्यक्ष श्री प्रियंक कानूनगों ने बताया कि %%बच्चों लिए समर्पण%% कार्यक्रम की शुरूआत मध्यप्रदेश के तीन जिलों विदिशा, रायसेन और सीहोर से की गई है। भविष्य में इसका विस्तार किया जायेगा। उन्होंने बताया कि वेदांतु इनोवेशन लिमिटेड द्वारा प्रदेश के तीन जिलों के आयोग द्वारा चिन्हित 83 बच्चों को निजी स्पॉन्सरशिप के अन्तर्गत बच्चों एवं उनके संरक्षकों के खातों में प्रति बच्चा प्रति माह दो हजार रूपये के मान से एक लाख 66 हजार रूपये की प्रथम किश्त आंतरित की गई। कोविड-19 की महामारी से बच्चें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए हैं। आयोग द्वारा ऐसे सभी बच्चों का डाटा एकत्र किया गया है जो असुरक्षित हो गए है, जिन्हें देखभाल और सुरक्षा की जरूरत है तथा जिन्होंने अपने एकल या माता-पिता दोनों को कोविड-19 या मार्च 2020 के बाद किसी अन्य कारणों से खो दिया है। उन्हें लाभ पहुँचाने के लिए अशासकीय संगठनों को भी जोड़ा गया है। वेदांतु इनोवेशन लिमिटेड के संस्थापक श्री पुलकित जैन ने तीन जिलों के 53 बच्चों को न सिर्फ आर्थिक सहायता दी बल्कि उनके निरंतर संपर्क में रहकर उनके समग्र विकास की दिशा में कार्य करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

अशोक शाह के नेतृत्व में 4 अक्टूबर को ऑनलाइन माध्यम से इस कार्यक्रम को लॉन्च किया गया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने झाबुआ में जनजातीय सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया।

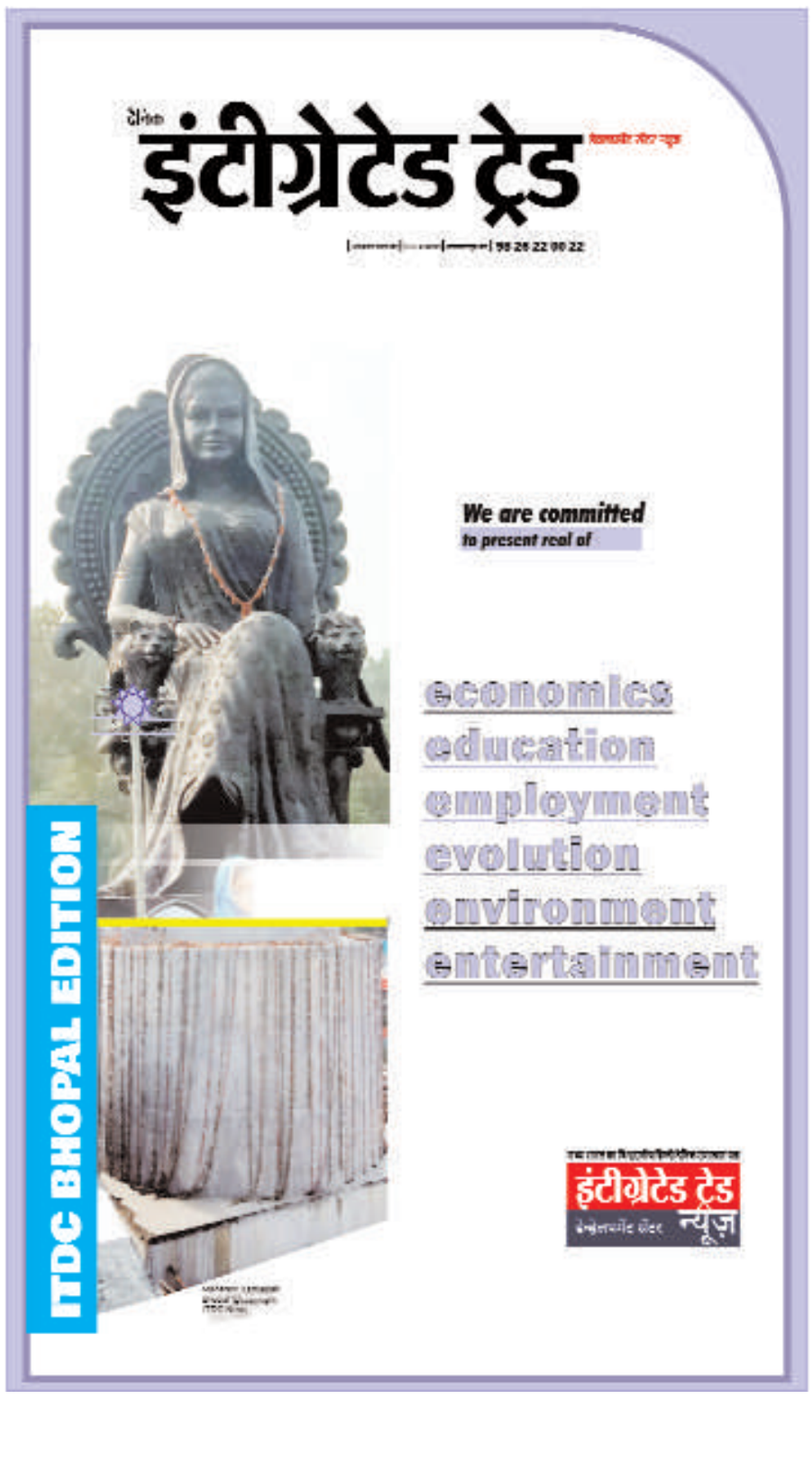

मुख्यमंत्री ने पत्रकार स्व. श्री दांगी की पत्नी को 10 लाख रुपये का चेक प्रदान किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा के पत्रकार स्व. श्री रामबाबू सिंह दांगी की पत्नी श्रीमती अंजलि दांगी को 10 लाख रुपए का चेक प्रदान किया। श्री रामबाबू सिंह दांगी की 20 अगस्त 2020 को सड़क दुर्घटना में असामयिक मृत्यु हो गई थी। पत्रकार स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना के अंतर्गत उनकी पत्नी श्रीमती अंजलि दांगी को 10 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाड़े, अपर संचालक जनसम्पर्क श्री सुरेश गुप्ता और यूनाइटेड इंडिया इंश्यूरेंस के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक श्री मदन मोहन खींची उपस्थित थे। यूनाइटेड इंडिया इंश्यूरेंस कंपनी द्वारा स्व. श्री राम बाबू सिंह दांगी का बीमा किया गया था।

पर्यावरण प्रबंधन पी.जी. डिप्लोमा कोर्स के लिये आवेदन आमंत्रित

एप्को इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायरमेंटल स्टडीज द्वारा एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एनवायरमेंट मैनेजमेंट पाठ्यक्रम 2021-22 के लिये 25 अक्टूबर, 2021 तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। सामान्य श्रेणी के आवेदक का स्नातक स्तर पर 50 प्रतिशत और आरक्षित वर्ग का 45 प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। आवेदक की आयु 31 दिसम्बर, 2021 तक 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये। सामान्य वर्ग के आवेदक के लिये पाठ्यक्रम शुल्क 25 हजार और आरक्षित वर्ग के लिये 15 हजार निर्धारित की गई है।

न्यूज ब्रीफ

डिजिटल स्वास्थ्य मिशन की राह नहीं आसान

नई दिल्ली। भारत का आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) का मुफीद समय आ गया है लेकिन आगे की राह मुश्किलों से भरी लगती है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, %इस पहल में भारत की स्वास्थ्य सुविधाओं में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता है।% हालांकि चुनौतियां इससे भी कई गुना हैं। डेटा-साझेदारी और योग्यता से लेकर बुनियादी ढांचे और गोपनीयता के मुद्दों पर स्पष्टता बनाने की आवश्यकता है। डिजिटल स्वास्थ्य पहल के जरिये न केवल मरीज और डॉक्टरों को पिछली इलाज की जानकारी आसानी से मिल जाती है बल्कि रोग का बेहतर इलाज मिल जाता है। इन डेटा का इस्तेमाल गांव या ब्लॉक स्तर तक के सरकारी स्वास्थ्य उपायों के लिए किया जा सकता है जिससे संभव है कि शुरुआती स्तर पर ही रोग की पहचान करने में मदद मिल जाए। हालांकि, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ उस प्रायोगिक परियोजना के बारे में बहुत आश्वस्त नहीं हैं जिसे छह केंद्र शासित प्रदेशों में राष्ट्रीय स्तर पर इस योजना की शुरुआत के मानक के रूप में चलाया गया था। प्रायोगिक परियोजना अगस्त 2020 में चंडीगढ़, लद्दाख, दादरा और नागर हवेली, दमन व दीव, पुदुच्चेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में शुरू की गई थी। पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के श्रीनाथ रेड्डी ने कहा, %प्रायोगिकपरीक्षण में यह जरूरी नहीं है कि सभी गड़बडियों का अंदाजा मिल जाएगा क्योंकि ये परीक्षण अपेक्षाकृत नियंत्रित परिस्थितियों में किए गए हैं जहां केंद्र सरकार का प्रशासन पर सीधा नियंत्रण होता है। जब इसे बड़े राज्यों में लागू किया जाता है तब हम नहीं जानते कि तंत्र कितनी अच्छी तरह काम करेगा या डेटा की गुणवत्ता उभर कर सामने आएगी। वैश्विक स्तर के उदाहरण भी बहुत उत्साहजनक नहीं हैं। ब्रिटेन जैसी परिपक्व अर्थव्यवस्था ने मजबूत राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के लिए एक डिजिटल प्रणाली शुरू करने का असफल प्रयास किया ताकि देश भर के डॉक्टरों के लिए मरीजों का रिकॉर्ड सुलभ हो जाए। साल 2011 में इस कार्यक्रम को बंद कर दिया गया क्योंकि यह डॉक्टरों का भरोसा हासिल करने या डेटा-गोपनीयता के मुद्दों को ठीक करने में विफल रहा।

महंगाई की मार : इस महीने आज चौथी बार महंगे हुए पेट्रोल-डीजल, देश के 26 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए के पार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय तेल कंपनियों ने आज फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा किया है। सरकारी तेल कंपनियों ने आज दिल्ली में डीजल के दाम में 30 और पेट्रोल के दाम में 25 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इसके बाद यहां पेट्रोल 102.70 और डीजल 91.13 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इस महीने ये चौथी बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। देश के 26 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के पार निकल गया है।

80 डॉलर के पार हुआ कच्चा तेल:- ओपेक के सदस्य देशों की कल हुई बैठक में आशा के अनुरूप परिणाम नहीं आया। उम्मीद थी कि जिस तरह से कच्चे तेल की मांग बढ़ रही है, उसी तरह से इसका उत्पादन भी बढ़ेगा। लेकिन ओपेक ने उत्पादन में रोज सिर्फ चार लाख बैरल की ही बढ़ोतरी का फैसला किया है। इस वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में बाजार का कच्चे तेल की कीमतें करीब ढ़ाई फीसदी चढ़ गई। कारोबार की समाप्ति के अवसर पर ब्रेंट क्रूड तो 81 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया। जानकारों के अनुसार कच्चे तेल (क्रूड ऑइल) 90 डॉलर तक जा सकता है।

आने वाले दिनों में और बढ़ सकते हैं दाम:- IIFL सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता कहते हैं कि कच्चे तेल की मांग बढ़ने के कारण आने वाले दिनों में ये 80 डॉलर तक जा सकता है। इससे पेट्रोल-डीजल की कीमत में 2 से 3 रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

इस साल अब तक पेट्रोल 18.73 और डीजल 17.01 रुपए महंगा हुआ

इस साल 1 जनवरी को पेट्रोल 83.97 और डीजल 74.12 रुपए प्रति लीटर था। अब ये 102.70 और 91.13 रुपए प्रति लीटर पर है। यानी 9 महीने से भी कम में पेट्रोल 18.97 और डीजल 17.01 रुपए महंगा हुआ है।

26 राज्यों में पेट्रोल और 6 राज्यों में डीजल 100 के पार:- देश के 26 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मणिपुर, नागालैंड, पोंडेचेरी, तेलंगाना, पंजाब, सिक्किम, उड़ीसा, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और राजस्थान के सभी जिलों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर है। वहीं उत्तर प्रदेश, गोआ, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल और उत्तराखंड में भी कई जगहों पर पेट्रोल 100 रुपए लीटर के पार है। वहीं डीजल की बात करें तो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, तेलंगाना और राजस्थान में कई जगहों पर ये अभी भी 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर है।

एचडीएफसी बैंक का ट्रीट-3.0 लॉन्च

काड्र्स, लोन और आसान किस्त पर 10 हजार से ज्यादा ऑफर्स, 100 स्थानों के 10 हजार मर्चेंट्स के साथ करार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

निजी सेक्टर के लीडिंग बैंक एचडीएफसी बैंक ने त्योहारी सीजन में ट्रीट-3.0 को लॉन्च किया है। इसमें काड्र्स, लोन और आसान किस्त पर 10 हजार से ज्यादा ऑफर्स हैं। बैंक ने इसके लिए 100 स्थानों के 10 हजार मर्चेंट्स के साथ करार किया है।

10 गुना ज्यादा ऑफर्स

बैंक ने मंगलवार को कहा कि साल 2020 में लॉन्च किए गए ट्रीट की तुलना में इस बार 10 गुना ज्यादा ऑफर्स हैं। यह त्योहारी ट्रीट्स है। बैंक ने कहा कि इसकी थीम करो हर दिल रोशन के आधार पर है। छोटे से छोटे शहरों के लोगों को इसके साथ जोड़ा गया है। बैंक अपनी शाखाओं, एटीएम और भागीदारों के जरिए सभी तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है।

बैंक ने अभियान शुरू किया

बैंक ने डिजिटल मीडिया, हाईपर लोकल फोकस के साथ स्टोर्स और वेबसाइट के जरिए भी इसका अभियान शुरू किया है। बैंक ने जिन कंपनियों या प्रोडक्ट्स के साथ करार किया है, उसमें प्रमुख रूप से एपल, अमेजन, शॉपर्स स्टॉप, एलजी, सैमसंग, सोनी, टाइटन, सेंट्रल, अजियो, रिलायंस डिजिटल, रिलायंस ट्रेंड्स, लाइफस्टाइल और अन्य शामिल हैं।

क्षेत्रीय ब्रांड्स के साथ भी करार

क्षेत्रीय ब्रांड्स में विजय सेल्स, डिवीजन, चेन्नई सिल्क, त्रक्ष्ण ज्वेलर्स, फोनवाले, सरगम, पूर्विका मोबाइल्स जैसी कंपनियों के साथ करार है। रिटेल ग्राहक से लेकर ट्रैक्टर खरीदने वालों तक के लिए इस ऑफर्स में काफी कुछ है। मोबाइल फोन पर कैशबैक है। आईफोन 13 पर 6 हजार रुपए का कैशबैक है।

कंज्यूमर गुड्स पर 22.5 फीसदी का कैशबैक

बैंक ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और कंज्यूमर गुड्स पर 22.5 फीसदी का कैशबैक है। पर्सनल लोन 10.25 फीसदी से शुरू किया गया है। कार लोन 7.50 फीसदी से है जिसमें लोन समय से पहले चुकाने पर कोई चार्ज नहीं देना होगा। दोपहिया गाड़ी पर 100 फीसदी लोन होगा और ब्याज पर 4 फीसदी की छूट मिलेगी।

ट्रैक्टर की कीमत का 90 फीसदी लोन मिलेगा

बैंक ने कहा कि ट्रैक्टर के लोन पर जीरो प्रोसेसिंग फीस और ट्रैक्टर की कीमत का 90 फीसदी लोन मिलेगा। कॉमर्शियल व्हीकल लोन की प्रोसेसिंग फीस पर 50 फीसदी का डिस्काउंट मिलेगा। 75 लाख रुपए तक के बिजनेस पर कोई गारंटी नहीं ली जाएगी और प्रोसेसिंग फीस पर 50 फीसदी की छूट मिलेगी।

ग्राहकों के लिए खुशी

एचडीएफसी बैंक के रिटेल असेट्स के ग्रुप हेड अरविंद कपिल ने कहा कि भारत में अब अनलॉक है। हम लोगों के लिए थोड़ी खुशी लेकर आ रहे हैं। यह हमारे ऑफर्स के रेंज को दिखाता है। इस रेंज में पर्सनल लोन, कार लोन, दो पहिया लोन जैसे सेगमेंट हैं। बैंक के पेमेंट डिवीजन के ग्रुप हेड पराग राव ने कहा कि ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड पर भी काफी कुछ मिल रहा है। हम ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड से खरीदी के लिए उत्साहित कर रहे हैं।

सेबी के पूर्व चेयरमैन ने कहा

अब कंपनियों के अधिकारियों की सैलरी बढ़ाना आसान नहीं, शेयरधारकों के विरोध से हो रहा है विवाद

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कुछ समय पहले तक कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों की सैलरी में बढ़त शेयरधारक बिना किसी विवाद के मंजूर कर लेते थे। पर अब मामला पूरी तरह से बदल गया है। हाल के सालों में कई सारी कंपनियों में शेयरधारकों ने सैलरी की बढ़त पर विवाद कर दिया है। एक्सीलेंस एनेबलर्स के चेयरमैन और सेबी के पूर्व चेयरमैन एम. दामोदरन कहते हैं कि शेयरधारक अब कई मापदंडों के आधार पर सैलरी की बढ़त का समर्थन करने से कतराने लगे हैं। उनके मन में पहला सवाल यह उठता है कि क्या सैलरी में वृद्धि उचित है। खासकर तब जब ऐसी स्थिति में जिसमें कर्मचारियों के वेतन में कटौती, छंटनी और इसी तरह के अन्य उपाय किए गए हैं।

सैलरी में बढ़त का प्रस्ताव मुश्किल से खत्म हो रहा:- दामोदरन कहते हैं कि कंपनियों के शीर्ष की सैलरी में वृद्धि का प्रस्ताव या तो मुश्किल से ही खत्म हो रहा है, या उन्हें शेयरधारकों, विशेष रूप से लिस्टेड संस्थागत शेयरधारकों, से आवश्यक समर्थन नहीं मिल रहा है। हालाँकि कुछ कंपनियों से संबंधित घटनाक्रम के संदर्भ में इस मुद्दे पर हाल के दिनों में चर्चा छिड़ गई है। वे कहते हैं कि हाल में एक कंपनी में शीर्ष की प्रस्तावित सैलरी की वृद्धि को इस आधार पर कम कर दिया गया था क्योंकि कंपनी ने उस वर्ष में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। इसलिए सैलरी में बढ़ोतरी नहीं की जा सकती है। यह तर्क भी दिया गया कि आने वाले सालों में बेहतर प्रदर्शन दिखाने के लिए सीनियर लोगों को बेहतर सैलरी देने की आवश्यकता है। पर इसे भी शेयरधारकों ने नकार दिया। दामोदरन के मुताबिक, पुराने और नए मामलों में समस्या की जड़ कम्युनिकेशन में कमी है। शीर्ष की सैलरी के संबंध में उन शेयरधारकों के समर्थन को हमेशा के लिए नहीं लिया जा सकता है, जिनका पर्याप्त विश्वास बना हुआ है।

बाजार लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 59700 और निफ्टी 17800 के ऊपर बंद ओएनजीसी का शेयर 10 फीसदी से ज्यादा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

हफ्ते के दूसरे दिन यानी मंगलवार को कमजोर ग्लोबल संकेतों के बीच बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी लेकिन कारोबार के दौरान बाजार में निचले स्तर से शानदार रिकवरी देखने को मिली। कारोबार के आखिरी घंटों में बाजार में तेजी के साथ कारोबार हुआ और इसी तेजी के साथ बाजार लगातार दूसरे दिन बढ़त पर बंद हुए। सेंसेक्स 445 पॉइंट यानी 0.75 फीसदी बढ़कर 59,744 पर और निफ्टी 131 पॉइंट यानी 0.74 फीसदी की तेजी के साथ 17,822 पर बंद हुआ। इससे पहले सेंसेक्स 59,320 और निफ्टी 17,661 पर खुला था। सेंसेक्स के 30 शेयर्स में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर कमजोरी के साथ बंद हुए। जिसमें इंडसइंड बैंक के शेयर 4.60 फीसदी , भारती एयरटेल के शेयर 2.26 फीसदी और रिलायंस के शेयर 2.08 फीसदी की तेजी के साथ ट्रेड करते दिखे। वहीं सन फार्मा के शेयर में 1.36 फीसदी और पावरग्रिड के शेयर में 0.91 फीसदी की कमजोरी देखने को मिली। बाजार को ऑयल एंड गैस और IT शेयर्स का सपोर्ट मिला। ह्रस्व पर ऑयल एंड गैस इंडेक्स 2.77 फीसदी और ह्रञ्ज इंडेक्स 1.19 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं रियल्टी शेयर्स ने बाजार पर दबाव बनाया। रियल्टी इंडेक्स 1.36 फीसदी और फार्मा इंडेक्स आधा पर्सेंट गिरकर बंद हुए। 10.77 फीसदी की तेजी के साथ ओएनजीसी का शेयर निफ्टी का टॉप गेनर बना। बीएसई पर 3,449 शेयर्स में कारोबार हुआ। जिसमें 2,075 शेयर्स बढ़त के साथ और 1,208 शेयर्स लाल निशान में कारोबार करते दिखे। इसी के साथ बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 264.79 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है।

विंडोज 11 लॉन्च

अपडेट के लिए कंप्यूटर में 4जीबी रैम और 64 जीबी स्टोरेज होना जरूरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट ने ऑफिशियल तौर पर विंडोज 11 जारी कर दिया है। लैपटॉप और डेस्कटॉप यूजर इसे डाउनलोड कर सकते हैं। लोगों को इसमें कई नए फीचर्स और बदलाव देखने को मिलेंगे। विंडोज 11 अपडेट के अलावा कंपनी ने ऑफिस 2021 भी जारी कर दिया है। नए कंप्यूटर पर भी अब विंडोज 11 प्री-इंस्टॉल्ड दिया जा सकता है। विंडोज 11 को अपडेट करने के लिए दो या उससे ज्यादा कोर का प्रोसेसर vGHz क्लॉक स्पीड होनी चाहिए। PC में कम से कम 4 जीबी रैम और 64 जीबी स्टोरेज होना चाहिए। अगर आपके कंप्यूटर में ओरिजिनल विंडोज 10 है तो ही विंडोज 11 में अपग्रेड करने का ऑप्शन मिलेगा। इसके लिए आपके पास फास्ट इंटरनेट कनेक्टिविटी होनी चाहिए। अगर आप अपग्रेड करने से पहले अपने कंप्यूटर का बैकअप लें तो बेहतर रहेगा। कई बार अपग्रेड के दौरान सिस्टम फाइल्स गायब हो जाती हैं। इसलिए इससे बचने के लिए आप बैकअप ले कर रखें और फिर अपने कंप्यूटर में विंडोज 11 को अपग्रेड करें। अपग्रेड करने के लिए आपको सबसे पहले यह चेक करना होगा कि आपके लैपटॉप या कम्प्यूटर नया अपडेट सपोर्ट करेगा या नहीं।

ओयो के आईपीओ को रोकने की कोशिश:जोस्टल सेबी को लेटर भेजने की तैयारी में, दिल्ली हाईकोर्ट में 7 अक्टूबर को होगी सुनवाई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ओयो होटल्स एंड रूम्स और इसकी प्रतिद्वंदी कंपनी जोस्टल (जो रूम) के बीच लड़ाई तेज हो गई है। जोस्टल अब सेबी के पास ओयो के आईपीओ को रोकने की कोशिश करने वाली है। इसके लिए जोस्टल सेबी को लेटर लिखेगी। हालांकि अभी इस मामले में 7 अक्टूबर को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई है। जानकारी के मुताबिक,

हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद जोस्टल सेबी के पास जाएगी। ओयो ने सुप्रीमकोर्ट द्वारा नियुक्त ऑर्बिट्रेटर के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। जोस्टल ने अगस्त में ही ओयो के आईपीओ को रोकने के लिए कदम उठाया था। जोयो सेबी को यह बताना चाहती है कि ऑर्बिट्रेशन अवार्ड अभी कोर्ट में लंबित है। ऐसे में शेयर्स की बिक्री सही नहीं है। यह लिस्टिंग रेगुलेशंस के नियमों का उल्लंघन है। ओयो ने सितंबर में आईपीओ के लिए सेबी के पास अर्जी दी थी। ओयो आईपीओ के जरिए 8,400 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। हालांकि सूत्र कहते हैं कि जोस्टल ओयो के आईपीओ को रोकना नहीं चाहती है। बल्कि वह कोर्ट से यह कहना चाहती है कि ओयो शेयर्स को एक एस्क्रो अकाउंट में रखा जाए। इसे तब तक रखा जाए जब तक कि ओयो ने जो चुनौती दिल्ली हाईकोर्ट में दी है, उसका फैसला न आए। जोस्टल का ओयो में 7 फीसदी का हिस्सा है और जोस्टल इसे लेना चाहती है।

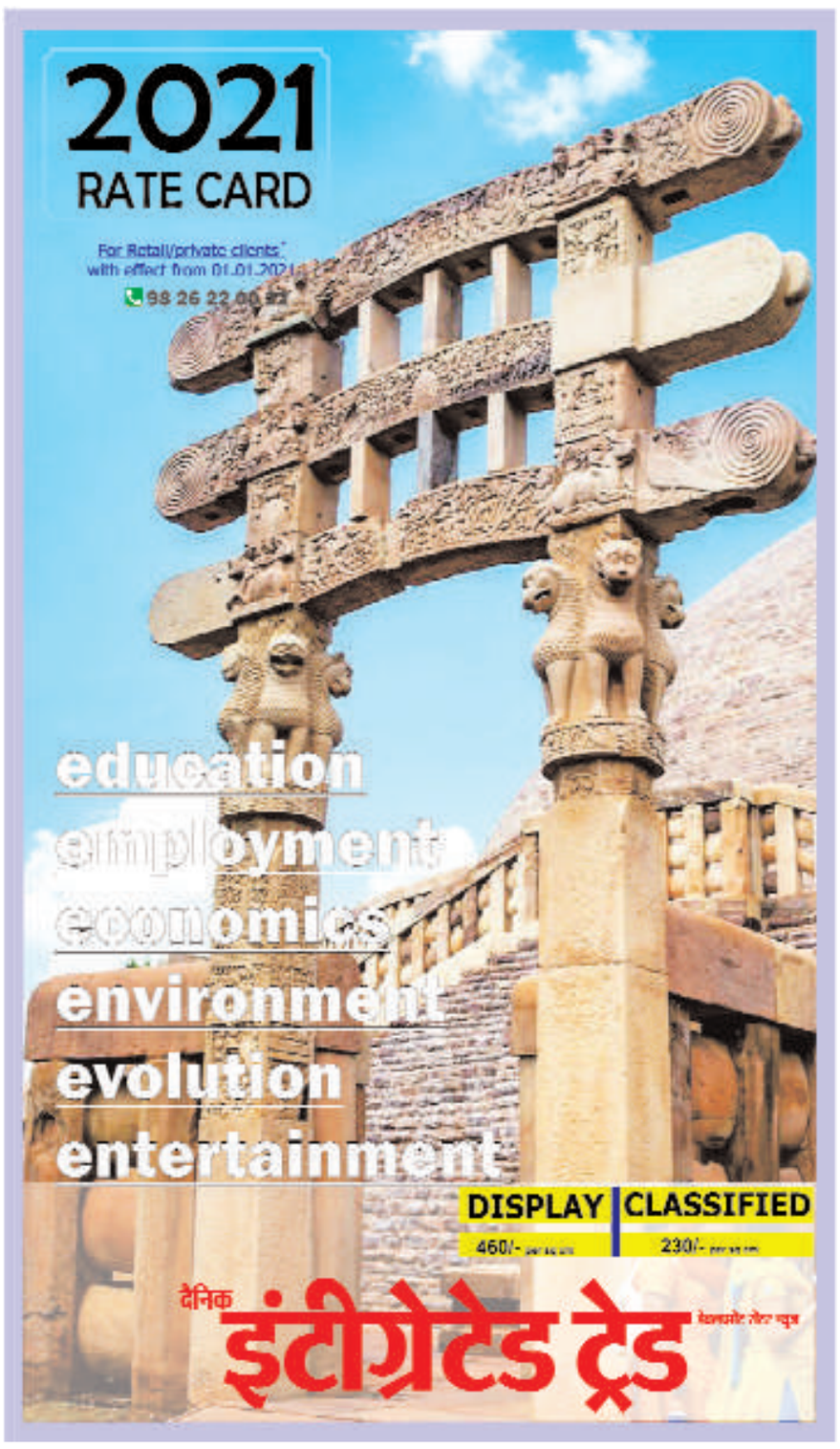

सितंबर में सेंसेक्स का 60 हजारी बनने का कीर्तिमान

- डॉ. हनुमन्त यादव

कोरोना की तीसरी लहर अक्टूबर में 2 माह के लिए पूरे भारत में अपेक्षित है, इसलिए उन्होंने सभी को सावधानी बरतने की सलाह दी है। इसका उद्योग व्यवसाय पर भी प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में दशहरा, दिवाली त्योहार के दिनों में शेयरों की चाल नियंत्रित रहने की संभावना है। छोटे निवेशकों को सावधानी बरतने के दिन आ गए हैं। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में ब्याज दरों में कमी की संभावना बहुत ही कम है। अगस्त माह की शेयर बाजार की समीक्षा के अंत में यह कहा गया था कि सितंबर माह के दूसरे पखवाड़े तक कोरोना काल के बावजूद सेंसेक्स के 60 हजारी बन जाने की पूरी संभावना है। 24 सितंबर को सेंसेक्स ने 60 हजार का बिंदु पार कर के साठ हजारी बनने का कीर्तिमान बनाया। सितंबर महीने में सेंसेक्स ने 3 कीर्तिमान बनाए। पहला कीर्तिमान 3 सितंबर को 58,000, दूसरा कीर्तिमान 16 सितंबर को 59,000 एवं तीसरा, 60 हजारी बनने का कीर्तिमान 24 सितंबर को बनाया। 31 अगस्त को सेंसेक्स 57,552.39 बिंदु पर बंद हुआ था। 30 अगस्त से 3 सितंबर के कारोबारी सप्ताह में सेंसेक्स ने उछाल के दो कीर्तिमान बनाए थे। पहला 31 अगस्त को 57,000 बिंदु को पहली बार पार करने का तथा दूसरा 3 सितंबर को 58,000 बिंदु को पार करने का कीर्तिमान। सेंसेक्स ने ऐसा कीर्तिमान अपने इतिहास में पहली बार बनाया। 6 सितंबर से 15 सितंबर तक बाजार में लिवाली और बिकवाली के सौदे सामान्य गति से चलते रहे। 16 सितंबर गुरूवार को बड़ी मात्रा में सौदे होने के कारण सेंसेक्स पहली बार 59,000 का बिंदु पार करने का कीर्तिमान बनाते हुए 59,141.16 बिंदु स्तर पर बंद हुआ। 18 सितंबर को पूरी दुनिया भर के बाजारों में चीन की अग्रणी रीयल इस्टेट कंपनी एवरग्रेनेड के भारी कर्जदार हो जाने का समाचार तेजी से फैला। इस समाचार के शेयर बाजारों में पहुंचते ही सोमवार 20 सितंबर को निवेशकों द्वारा बड़ी मात्रा में शेयरों की बिक्री करने से भारतीय बाजार में भारी गिरावट आने के कारण सेंसेक्स 59,000 अंक से नीचे गिरकर 58,490.93 पर बंद हुआ। बीएसई का बाजार पूंजीकरण घटकर 255.18 लाख करोड़ रुपये रह गया। इस कारण शेयर निवेशकों को 3.78 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। किंतु भारतीय शेयर बाजार में चीनी कंपनी के गिरावट का प्रभाव अल्पकालिक रहा। 21 सितंबर को शेयरों की भारी लिवाली के कारण बाजार में पुनः रौनक आई और सेंसेक्स पुनः 59,000 बिंदु पार करते हुए 59,005.25 बिंदु पर बंद हुआ। देशी विदेशी निवेशकों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमेरिका दौरे से बहुत उत्साह था। 23 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका के पांच अग्रणी कारपोरेट मुखिया लोगों की भेंट से उत्साहित होकर निवेशकों द्वारा भारी लिवाली की गई फलस्वरूप सेंसेक्स छलांग लगाते हुए 59,885.36 बिंदु तक जा पहुंचा। 24 सितंबर को सेंसेक्स 60,000 बिंदु के पार 60,211 पर खोला गया जो 60,333 बिंदु के उच्चतम स्तर पर जाकर बंद के समय 60,048.47 पर आ गया था। इस सप्ताह में आए उछाल का श्रेय बड़े निवेशकों के वर्ग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया।

सितंबर माह के अंतिम सप्ताह में 27 सितंबर से 30 सितंबर तक निवेशकों द्वारा मुनाफा कमाने हेतु की गई भारी बिकवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी उतार-चढ़ाव के साथ हर दिन गिरावट के साथ बंद हुए। 29 सितंबर को बाजार लाल निशान पर बंद होने के फलस्वरूप सेंसेक्स गिरावट के साथ 59,413 बिंदु पर बंद हुआ था। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार 30 सितंबर को भी शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स 286 अंक गिरावट के साथ 59,126.36 बिंदु बंद हुआ। 30 सितंबर को अमेरिका के शेयर बाजारों में मिलाजुला कारोबार देखने को मिला। डाउ जोस 0.26 फीसदी चढ़कर 34,390 पर बंद हुआ जबकि नैस्डैक 0.24 फीसदी कमजोरी के साथ 14,512 पर बंद हुआ। एस एंड पी 500 0.16 फीसदी चढ़ावट के साथ 4359.00 पर बंद हुआ। 30 सितंबर को समाप्त हुए कारोबारी सप्ताह में मिड और स्माल कैप शेयरों में बढ़त देखने को मिली। बीएसई मिड कैप सूचकांक 0.33 प्रतिशत तथा स्माल कैप सूचकांक 0.56 प्रतिशत बढ़त के साथ बंद हुआ। कारपोरेट के सभी सेक्टरों में तेजी रहने के कारण बाजार हरे निशान पर बंद हुए। इनमें एफएमसीजी, फायनेंस सर्विस बैंक, रियल्टी, प्राइवेट बैंक, मेंटल, आईटी, पीएसयू बैंक, फार्मा और आटो सभी शामिल थे। बीएसई में 5,218 कंपनियों के शेयर सूचीकृत हैं, उनमें से 3,424 शेयरों में ही कारोबार हुआ। इनमें से 1427 शेयरों में गिरावट आई और 1847 शेयरों में बढ़त रही। बाजार में सूचीकृत इन कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 259.87 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंसेक्स के 21 शेयर्स कमजोरी के साथ और 9 शेयर्स बढ़त के साथ बंद हुए।

संपादकीय

खादी और खाकी का घालमेल

खादी और खाकी के अपवित्र गठबंधन को लेकर भारत के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमना की हालिया टिप्पणी से किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। आश्चर्य तब होगा, जब इस पर सरकार की तरफ से कोई सकारात्मक कार्यवाही होती दिखेगी या पुलिस के आचरण में कोई बड़ा परिवर्तन नजर आने लगेगा। प्रधान न्यायाधीश ने इस सिलसिले में एक आयोग भी नियुक्त करने की बात की है। उन्हें किसी ने तो याद दिलाया होता कि आजादी के बाद कई आयोग पुलिस सुधारों के लिए नियुक्त किए गए थे। कई बार खुद अदालतों ने ऐसे निर्णय दिए हैं कि अगर पुलिस सुधार की सिफारिशों का अनुपालन किया जाए, तो पुलिस के चाल और चरित्र में व्यापक परिवर्तन हो सकता है। आपातकाल की समाप्ति के बाद तत्कालीन जनता पार्टी की सरकार ने धर्मवीर आयोग नियुक्त किया था, जिसने बड़ी मेहनत के बाद संभवतः 1860 के बाद के सबसे परिवर्तनकारी सुझाव दिए थे, पर दुर्भाग्य से कई जिल्दों में फैली उसकी अनुशंसाओं पर चार से अधिक दशकों से धूल ही जमी है। प्रधान न्यायाधीश की ताजा टिप्पणी छत्तीसगढ़ के एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी जी पी सिंह के संदर्भ में आई है, जो पिछली रमन सिंह सरकार के दौरान महत्वपूर्ण ओहदों पर तैनात थे और सरकार बदलते ही गर्दिश में आ गए। जिस समय उनकी गिरफ्तारी रोकने की याचिका पर प्रधान न्यायाधीश उपरोक्त टिप्पणी कर रहे थे, लगभग उसी समय मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह के फरार होने की खबरें मीडिया में गश्त कर रही थीं। इन दोनों की एक जैसी कहानियां हैं, किसी प्रभावशाली राजनेता की सहायता से मलाईदार तैनातियां हासिल करना और फिर एवज में उस राजनेता की हर गलत अपेक्षा को पूरा करने के लिए गैर-पेशेवराना आचरण करना। देखना होगा कि प्रधान न्यायाधीश की इस टिप्पणी के बाद कितना कुछ बदलाव आता है।

अभी लखीमपुर खीरी में प्रदर्शनकारी किसानों के साथ जो घटना घटी, वह खादी और खाकी के इसी गठजोड़ का नमूना है। एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक आमसभा में स्थानीय सांसद और केंद्रीय मंत्री खुलेआम किसानों को धमकी दे रहे हैं। यदि कानून सम्मत कार्रवाई करने वाली पुलिस होती, तो उनके इस वीडियो की जांच होती और सच पाए जाने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाती। इजरायल या फ्रांस में पुलिस अपने प्रधानमंत्रियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोपों की स्वतंत्र जांच कर सकती है, तो भारत में एक मंत्री के विरुद्ध धमकी देने पर मुकदमा क्यों नहीं कायम हो सकता? बाद में किसानों पर गाड़ियां चढ़ाई गईं और हिंसा में दोनों पक्षों के कई लोग मरे। इस दौरान पुलिस की किंकर्तव्यविमूढ़ता साफ-साफ दिखी।

उधर, गोरखपुर में करीब एक सप्ताह पहले घटी हृदयविदारक घटना इसी बेशर्म गठजोड़ का एक और उदाहरण है। जिस इंस्पेक्टर के नेतृत्व में पुलिस बल ने यह हत्या की थी, उसके बारे में यह आम शोहरत है कि पिछले कुछ दिनों में ही वह मुठभेड़ और पुलिस कस्टडी में यातना देकर एक दर्जन से अधिक लोगों को मार चुका है। कथित मुठभेड़ों के चलते वह दूसरे इनाम इकराम के अलावा समय पूर्व तरक्की हासिल करते हुए थोड़े ही वक्त में सिपाही से इंस्पेक्टर बन गया था।

गोरखपुर के मानवाधिकार कार्यकर्ता मनोज कुमार सिंह के अनुसार, यह इंस्पेक्टर कई 'मुठभेड़ों' में गोली मार दल का सदस्य रहा है और उनमें बजाय सजा के इनाम पाते-पाते उसके मुंह में इस कदर खून लग चुका था कि पिछले एक वर्ष में ही कई लोगों ने उसकी यातना के चलते दम तोड़ा है। जान गंवाने वाले गरीब-गुरबा लोग आम तौर पर दलित परिवारों से आते हैं। लेकिन किसी मामले में उसे दंड नहीं दिया जा सका, परिणामस्वरूप उसका हौसला बढ़ता गया। मगर इस बार उसका मुकाबला एक बहादुर औरत से पड़ा और वह घिर गया। कुछ अधिकारी मृतक मनीष गुप्ता की पत्नी को कोई कानूनी कार्रवाई न करने की 'दोस्ताना' सलाह दे रहे थे। इस सलाह का वीडियो सार्वजनिक हो जाने के बाद अच्छी तरह से समझा जा सकता है कि जिन उच्चाधिकारियों पर अपने मातहतों को अनुशासित कर जनता को न्याय दिलाने की जिम्मेदारी है, वे कैसे देर रात तक हत्यारे पुलिसकर्मियों के खिलाफ खुद कोई कार्यवाही करने से बचते रहे।

किसी भी सभ्य समाज के लिए गोरखपुर की घटना एक 'वेक अप कॉल' की तरह हो सकती है, लेकिन हमारा अनुभव बताता है कि हमने पुलिस क्रूरता को सामाजिक स्वीकृति दे रखी है। मानवाधिकार कार्यकर्ता मनोज कुमार सिंह गोरखपुर के करीबी जिलों के ऐसे पांच मामलों का जिक्र करते हैं, जिनमें हाल में पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या के मुकदमे दर्ज हुए हैं। यदि इनमें से एक में भी सख्त सजा मिली होती, तो गोरखपुर के इस मनबढ़ू इंस्पेक्टर का इतना हौसला नहीं होता कि वह शहर के केंद्र में स्थित एक होटल में जाकर किसी व्यापारी को लूटने की प्रक्रिया में उसे मार ही डालता।

प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी को यदि गोरखपुर और लखीमपुर खीरी की घटनाओं से जोड़कर देखा जाए, तो किसी के मन में संदेह नहीं रह जाएगा कि पुलिस में व्यापक और बुनियादी सुधारों की जरूरत है। केवल ऊपरी लीपापोती से काम नहीं चलेगा। दुर्भाग्य से आजादी के बाद हम अपनी पुलिस को नहीं समझा पाए कि एक लोकतंत्र में वह जनता की सेवक है और उसे संविधान तथा देश के कानूनों का सम्मान करना ही पड़ेगा। दिक्कत यह है कि जब हमारी सरकारें पुलिस सुधारों या पुलिस आधुनिकीकरण की बातें करती हैं, तब उनकी चिंता के केंद्र में मुख्य रूप से वाहन, शस्त्र या संचार जैसे उपकरणों के स्तरों में बेहतरी ही होती है। सबसे कम ध्यान उस मानसिकता को बदलने पर दिया जाता है, जो पुलिस को सभ्य और लोकतंत्र के लायक बनने से रोकती है।

अगर यही जनतंत्र है तो...

जाहिर है कि कथित जनतंत्र की %मां% के घर में जो हो रहा है, उसका सबसे भयानक पहलू यही नहीं है कि कितनी आसानी से सशस्त्र बलों ने एक बारह साल के बच्चे समेत दो लोगों की जानें ले लीं। इससे भी भयानक और मोदी राज का योगदान यह है कि इस पूरी घटना के वीडियो वाइरल होकर दुनिया भर में पहुंचने और देखे जाने के बावजूद, न तो इस दरिंदगी के लिए जिम्मेदार किसी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की गई और न गोली चलाने वाले वर्दीधारियों के खिलाफ। और यह सब करने की छूट मिल कहां से रही थी?

- राजेंद्र शर्मा

वर्दीधारियों के हाथों ही असम में दारांग की और गोरखपुर में मनीष गुप्ता की मौतों में बेशक काफी अंतर है। फिर भी उनके बीच एक बुनियादी समानता भी है। दोनों ही जगह ये मौतें, वर्दी को दी गई हिंसा की छूट का नतीजा हैं। बेशक, मोदी राज में और खासतौर भाजपा की डबल इंजन सरकारों में, वर्दी की हिंसा की इस छूट को बेहद बढ़ा दिया गया है। जाहिर है कि यह छूट सबसे बढ़कर अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के इस्तेमाल के लिए है। अगर यह संयोग है तब भी बहुत कुछ बताने वाला संयोग है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब संयुक्त राष्ट्र महासभा में इसका दावा कर रहे थे कि भारत जनतंत्र की %मां% है, उसी समय असम में दारांग में ढोलपुर गोरखुटी के इलाके में उनकी ही पार्टी की सरकार की पुलिस, सीधी गोलीबारी में दो गरीब गांववासियों की जानें ले रही थी। ये दो जानें सिर्फ इसलिए ले ली गयीं क्योंकि यहां बसे गरीब मुसलमान किसान, जिन जमीनों को दसियों साल से जोतते आ रहे थे, उन जमीनों पर उनके कब्जे को भाजपा की सरकार ने अवैध घोषित कर दिया था। इन जमीनों से हटाए जाने से इन सैकड़ों लोगों का क्या होगा, वे कहां जाएंगे, कैसे अपना पेट भरेंगे, इसकी ओर से पूरी तरह से आंखें मूंदकर, उतने ही मनमाने तरीके से राज्य सरकार ने इन जमीनों को दूसरे गैर-औद्योगिक कामों में लगाने का फरमान दे दिया। और जमीनों को खाली कराने के लिए बंदूकधारी पुलिस वालों को भेज दिया गया, क्योंकि सरकार को कम से कम इतना अंदाजा तो था ही घर-जमीन से इस तरह औचक उखाड़े जाने का निरुपाय गरीब भी विरोध कर सकते हैं। अचरज नहीं कि मरने वालों में एक 32 वर्षीय किसान शामिल था, जिसने अपनी झोंपड़ियों को तोड़ते और आग के हवाले करते पुलिस वालों को, लाठी लेकर ललकारा था। बाद में वाइरल हुए वीडियो के अनुसार, सशस्त्र पुलिस के बीसियों जवानों ने उसे घेर कर गोली मार दी, जिसका घाव छाती के बीच में तस्वीरों में साफ देखा जा सकता था। नफरत का पैमाना यह था कि गोली खाकर जमीन पर निश्चल पड़े किसान पर, पुलिस वाले रुक-रुककर न सिर्फ लाठियां बरसाते रहे बल्कि पुलिस कार्रवाई को रिकार्ड करने के लिए जो फोटोग्राफर अपने साथ लाए थे, वह तो जमीन पर पड़े किसान पर, जो कि संभवतः तब तक लाश बन चुका था, दूर से दौड़ते हुए आकर जूतों के साथ कूदा और पलटकर उसे कसकर घूंसा मारा। इस पर भी शायद उसका मन नहीं भरा और वही कारनामा एक छोटे से ब्रेक के बाद किसी शूटिंग के रीटेक के अंदाज में उसने दोबारा भी दोहराया। इसी जगह दूसरी लाश, एक बारह वर्षीय बच्चे की उठी। पुलिस की गोली से जब उसकी मौत हुई, वह संभवतः पोस्ट ऑफिस से अपना आधार कार्ड लेकर लौट रहा था। उसे गोली मारने के लिए, उसके लाठी उठाने जैसा कोई बहाना देने की भी जरूरत नहीं हुई। जैसे जनतंत्र की मां के मोदी जी के नये इंडिया के शासन को इतने पर भी संतोष नहीं हुआ। आखिर, ऐसा तो पुराने भारत में भी होता था। नये इंडिया में बचे हुए लोगों में से, जिनमें से घायल भी शामिल थे, कई को हिंसा के जुर्म के लिए गिरफ्तार कर लिया गया। दो-तीन दिन बाद खबर आई कि गोली से घायल हुए एक किसान को, अस्पताल से छुट्टी मिलते ही पुलिस पकड़ ले गई।

जाहिर है कि कथित जनतंत्र की मां के घर में जो हो रहा है, उसका सबसे भयानक पहलू यही नहीं है कि कितनी आसानी से सशस्त्र बलों ने एक बारह साल के बच्चे समेत दो लोगों की जानें ले लीं। इससे भी भयानक और मोदी राज का योगदान यह है कि इस पूरी घटना के वीडियो वाइरल होकर दुनिया भर में पहुंचने और देखे जाने के बावजूद, न तो इस दरिंदगी के लिए जिम्मेदार किसी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की गई और न गोली चलाने वाले वर्दीधारियों के खिलाफ। और यह सब करने की छूट मिल कहां से रही थी? इन मौतों के फौरन बाद, अपनी प्रतिक्रिया में किसी तरह का दुःख या पछतावा जताने के बजाय, चंद महीने पहले ही नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद से मुख्यमंत्री बने हेमंत विश्वा शर्मा ने, हेकड़ी के साथ ऐलान किया और इसके लिए सत्ताधारी आरएसएस-भाजपा कुनबे से शाबाशियां भी कमाईं कि ऐसी घटनाओं से, उनका जमीनें छुड़ाने का अभियान रुकेगा नहीं और बेदखली की कार्रवाई बदस्तूर रहेगी। यह दूसरी बात है ज्यादा शोर-शराबा होने पर और संभवतः दिल्ली में बैठी बड़ी सरकार के इशारे पर, बाद में उन्हें संबंधित इलाके में बेदखली की मुहिम फौरी तौर पर रोकनी पड़ी।

लेकिन, जनतंत्र की %मां% के लिए के लिए संघ-भाजपा के मोदी के राज का असली योगदान इतना ही नहीं है बल्कि यहां से शुरू होता है। बेदखल किए जाने वाले चूंकि गरीब मुसलमान हैं, इसलिए यह योगदान और भी आसान और पुरअसर हो गया। भाजपा सरकार ने फौरन बेदखली के प्रतिरोध का षड्यंत्र खोज निकाला। और एक बार जब मुख्यमंत्री षड्यंत्र की खोज का ऐलान कर दिया, उसके बाद पुलिस और प्रशासन प्रशासन को षड्यंत्र का ताना-बाना खोजने में क्या देर लगनी थी। फौरन पता चल गया कि बेदखली का विरोध करने के लिए लोगों को भड़काया गया था। मुस्लिम संगठन, पीएफए के लोगों ने पीड़ितों के बीच खाना बांटने के नाम पर एक दिन पहले इलाके का दौरा किया था। लोगों से घर से बाहर न निकलने के लिए कहा गया था, वगैरह, वगैरह। षड्यंत्र का निर्णायक साक्ष्य यह कि वहां बेदखल किए जा रहे किसान परिवार तो सौ भी नहीं थे, फिर बेदखली रोकने के लिए इतने सारे लोग कैसे इकट्ठा हो गए! खबरों के मुताबिक षड्यंत्र से लेकर हिंसा तक के लिए, स्थानीय पंचायत के दो प्रमुख लोगों को पकड़ा गया है। जाहिर है कि दोनों मुसलमान हैं। दूसरी ओर, खुद मुख्यमंत्री ने माना कि पुलिस वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई हुई थी।

लखीमपुर खीरी से भाजपा के लिए संदेश

पिछले एक साल से देश में कृषि कानूनों को लेकर किसान अलग-अलग तरह से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पंजाब में रेलवे ट्रैक पर धरना दिया, दिल्ली में सीमाओं पर आंदोलन जारी है, जगह-जगह किसान महापंचायतें हो रही हैं, सरकारी कार्यक्रमों का बहिष्कार हो रहा है, लेकिन सरकार इस विरोध को दूर करने और सुलह करने की जगह किसानों के दमन में लगी है। केंद्र सरकार ने किसानों से चर्चा बंद कर दी है। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा तो एक समिति गठित की गई, ताकि इस गतिरोध का हल निकाला जा सके। जनवरी में गठित समिति ने मार्च में अपनी रिपोर्ट सौंप दी, लेकिन आज तक उसे सार्वजनिक नहीं किया गया है। इस बीच किसानों के कारण आवाजाही में हो रही तकलीफों की शिकायत भी अदालत में की गई। मानो रास्ता खुलवाकर देश में विकास के लिए नया प्रवेश मार्ग बना लिया जाएगा। किसानों के प्रदर्शन को देशविरोधी बताने की भी भरपूर कोशिशें हो गईं। हरियाणा में अगस्त में करनाल के तत्कालीन एडीएम आयुष सिन्हा का एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें वे आंदोलनकारी किसानों के लिए सिर फोड़ दो, लठ्ठ मारना जैसे आदेश पुलिसकर्मियों को दे रहे थे। अब पिछले दिनों मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने एक कार्यक्रम में कहा कि हर इलाके से 1 हजार लठ्ठ वाले किसानों का इलाज करेंगे। इससे पहले गृहराज्य मंत्री अजय मिश्र ने किसानों के विरोध पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि सुधर जाओ, वरना हम सुधार

देंगे। और 3 अक्टूबर को जब उत्तरप्रदेश के लखीमपुर खीरी में अजय मिश्र के पैतृक गांव में होने वाले कार्यक्रम से पहले किसान काले झंडे लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, उस वक्त किसानों पर लठ्ठ नहीं चले, बल्कि उन पर गाड़ी ही चढ़ा दी गई। इस शर्मनाक और दुखद हादसे में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई।

मृतकों में किसान भी शामिल हैं और भाजपा समर्थक लोग भी। इस घटना के लिए अजय मिश्र के बेटे आशीष मिश्र को किसान जिम्मेदार बतला रहे हैं। हालांकि अजय मिश्र का कहना है कि घटनास्थल पर न उनका बेटा न कोई और परिजन मौजूद थे। बल्कि वे अराजक तत्वों पर पथराव का आरोप लगा रहे हैं और ये डर भी जतला रहे हैं कि अगर उनका बेटा वहां मौजूद रहता तो जिंदा नहीं बचता। मंत्री महोदय का यह डर उनके अपने राज्य की कानून व्यवस्था की व्याख्या कर देता है। बहरहाल, दिल्ली से लेकर करनाल और लखीमपुर तक किसान आंदोलन के खिलाफ इस क्रोनोलॉजी को समझना कठिन नहीं है। किसान चुपचाप सरकारी फरमान सुन लें, सिर और कंधे झुकाए खेती करें, मजबूरी में कर्ज लें और कर्ज न चुका पाने की सूरत में आत्महत्या कर लें। किसानों की इस तस्वीर से सरकार को कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन किसान विरोध की आवाज उठाएं, तो सरकार सबक सिखाने के तरीके ढूंढने लगती है। किसानों की दयनीय तस्वीर को चुनाव में भुनाते हुए ही 2014 में मोदीजी ने तंज कसा था कि शास्त्री जी कहते थे जय जवान, जय किसान। आज कांग्रेस पार्टी का नारा है मर जवान, मर किसान। 2014 में मोदीजी तो सत्ता पर बैठ गए, लेकिन जिस नारे को उन्होंने कांग्रेस के सिर मढ़ा था, आज वो उनके शासन की हकीकत बन गया है। किसान आंदोलन में अब तक 6 सौ से अधिक किसानों की जान जा चुकी है। लेकिन सरकार उनकी मांगें सुनने के लिए अपना सिर झुकाने तैयार नहीं है। लखीमपुर खीरी की घटना से एक बार फिर भाजपा शासन की हठधर्मी सामने आ गई। लेकिन इस घटना से भाजपा शासन की जड़ें भी उखड़ती दिख रही हैं।

1928 में लाहौर में साइमन कमीशन का विरोध कर रहे शेरे पंजाब लाला लाजपत राय पर ब्रिटिश पुलिस ने बौखलाहट में लाठी चार्ज किया था। जिसमें लालाजी बुरी तरह घायल हुए थे। घायल लालाजी ने तब कहा था कि उनके शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी अंग्रेजी शासन के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। लालाजी के अल्फाज सच साबित हुए। अगर इतिहास सचमुच खुद को दोहराता है, तो लखीमपुर खीरी की घटना भी भाजपा शासन के लिए आखिरी कील साबित हो सकती है।

उत्तरप्रदेश में अगले कुछ महीनों में चुनाव हैं, जिसमें किसान आंदोलन पहले से एक बड़ा मुद्दा था। अब इस घटना के बाद विपक्ष जिस तरह किसानों के पक्ष में खड़े हो चुका है, उससे योगी सरकार की परेशानियां बढ़ सकती हैं। गनीमत है कि सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का ऐलान किया, आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। लेकिन प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव, भूपेश बघेल, चरणजीत सिंह चन्नी जैसे नेताओं को जिस तरह लखीमपुर खीरी जाने से रोका गया उससे यही संदेश निकल रहा है कि सरकार विपक्ष के तेवर से डर रही है। किसानों को अराजक बताकर इस घटना की जिम्मेदारी उन पर डालने की कोशिश भी हो रही है। अगर ऐसा है तो फिर विपक्ष के लोगों को जमीनी हकीकत देखने क्यों नहीं जाने दिया गया। वैसे लखीमपुर की घटना का असर उत्तरप्रदेश के साथ-साथ पंजाब और उत्तराखंड जैसे चुनावी राज्यों पर भी पड़ेगा। पंजाब में भाजपा पहले ही सत्ता में नहीं है और उप्र, उत्तराखंड में सत्ता बचाने की जद्दोजहद कर रही है। अब तक कोरोना कुप्रबंधन के कारण भाजपा सवालों के कटघरे में थी, अब किसान आंदोलन से उठ रहे अधिकारों, लोकतंत्र और मानवाधिकार के सवालों के जवाब भी भाजपा को देने होंगे। हिंदुत्व और राष्ट्रवादी नारों के शोर में बुनियादी सवालों को हर बार दबाया नहीं जा सकता।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें देकर अपने जाने का ग़म दे चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने हमारे लिए हर चीज गवाह बन जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी की सबसे मीठी याद देकर चले गए।
सच तो ये है कि आप हम ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल कठोर होता है वो कभी नहीं रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में पलकें भिगोते मैंने आपको देखा है।
पिता की परिभाषा बदल कठोरता को प्रेम में बदल कर चले गए।
सच तो ये है की आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा बचपन में ये हर मां बाप कहते हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके लिए आज भी इसलिए तड़पते हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का, उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच अनजाने ही ये उम्मीद दे चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।

अब घर में इन टिप्स की मदद से बनाएं बाजार जैसा स्वादिष्ट और क्रिस्पी डोसा

साऊथ इंडियन खाने में डोसा हर किसी को पसंद होता है। वहीं डोसा को हर कोई अलग अलग तरह से बनाता है। अगर साउथ में देखा जाए तो इसे बनाने की अलग ही टिप्स है। लेकिन इस सब के बीच डोसा का स्वाद और टेक्सर एक जैसा ही होता है। हालांकि, कुछ लोगों की शिकायत होती है कि डोसा क्रिस्पी नहीं बनता। इसे पीछे कई सारे कारण हो सकते है। जैसे अगर डोसा क्रिस्पी नहीं बनता इसका मतलब यह है कि बैटर में कुछ कमी है। तो चलिए जानते हैं डोसा बनाने के ट्रिक्स के बारे में।

1) डोसा का बैटर अगर आप घर में तैयार कर रही हैं तो ध्यान दें कि दाल चावल को पिसते समय उसमें एक मुट्ठी पोहा मिक्स करें। इसे मिलाने से जब आप डोसा बनाएंगी तो वह क्रिस्पी बनकर तैयार होगा। इसके अलावा डोसा का कलर गोल्डन चाहती है तो घोल में मेथी का पेस्ट भी मिला सकती हैं।

2) डोसा बैटर बनाते समय आप उसमें सूजी भी मिक्स कर सकती हैं। जब बैटर अच्छी तरह फर्मेंटेड हो जाए तो डोसा बनाने से पहले एक कप सूजी, मैदा और थोड़े से बेसन का घोल तैयार करें और उसे बैटर में मिक्स कर दें। आप चाहें तो बैटर की मात्रा को ध्यान में रखते हुए भी घोल तैयार कर सकती हैं।

3) डोसा का बैटर बनाने के लिए उड़द, चना दाल, मेथी दाना और चावल को एक मात्रा में मिक्स किया जाता है। वहीं बैटर बनाने के लिए जब आप पानी मिक्स करें तो ध्यान रखें की बैटर ज्यादा पतला ना हों इसलिए पानी धीरे-धीरे मिक्स करें।

नाश्ते में तैयार करें आलू चीज टोस्ट सैंडविच, नोट करें रेसिपी

सुबह के नाश्ते से लेकर शाम के स्नैक्स तक सैंडविच बनाया जाता है। इसे कई तरह से बनाया जाता है। कोई आलू का मसाला भर कर बनाता है, तो कोई खीरे टमाटर के साथ बनाता है। हर घर में इसे बनाने की अलग रेसिपी आपको आसानी से मिल जाएगी, लेकिन आज हम आपको बताने वाले हैं आलू चीज टोस्ट सैंडविच की रेसिपी। ये खाने में बहुत स्वादिष्ट और बनाने में बहुत आसान होते हैं। इसे मुंबई में खूब खाया जाता है। मुंबई की सड़कों पर हर कोने में आपको इस सैंडविच के स्टॉल आसानी से मिल जाएंगे। सुबह के नाश्ते में अगर आप इसे बनाना चाहते हैं तो ये 20 से 25 मिनट में बनकर तैयार हो जाएंगे। तो आइए जानते हैं।

आलू चीज टोस्ट बनाने की सामग्री

2 आलू उबले
1 चम्मच अदरक पेस्ट
1 मिर्च
1/2 चम्मच जीरा पाउडर
1/2 चम्मच मिर्च पाउडर
1/2 चम्मच गरम मसाला
1/2 चम्मच आमचूर
1/2 चम्मच मिक्सड हर्ब्स
1/2 चम्मच नमक
2 चम्मच धनिया पत्ती
1 कप मोजेजारेला चीज
ब्रेड
मक्खन
हरी चटनी
चाट मसाला

आलू चीज टोस्ट बनाने की विधि

एक कटोरे में 2 आलू, 1 चम्मच अदरक पेस्ट और एक मिर्च लें। 1/2 चम्मच जीरा पाउडर , 1/2 चम्मच मिर्च पाउडर, 1/2 चम्मच गरम मसाला , 1/2 चम्मच आमचूर,1/2 चम्मच मिक्सड हर्ब्स, 1/2 चम्मच नमक इसके बाद धनिया पत्ती और मोजरेला चीज डालें। सभी को अच्छे से मिलाएं।

अब ब्रेड स्लाइस लें और मक्खन लगाएं। फिर हरी चटनी लगाएं और आलू चीज स्टफिंग लगाएं। कवर करें और सुनहरा होने तक सेकें। इसे सैंडविच मेकर में भी बना सकते हैं। एंड में चीज के साथ गार्निश करें और सर्व करें।

भोग के लिए तैयार करें महाराष्ट्र की फेमस पूरन पोली

पूरन पोली का नाम हर किसी ने सुना होगा। वहीं बहुत से लोग ऐसे भी होंगे, जो इसके स्वाद को चख चुके हैं। आने वाले दिनों में त्योहार शुरू होने वाले हैं और 10 सितंबर से बप्पा का आगमन भी हो जाएगा। 10 दिनों के लिए गणेशोत्सव में लोगों के घर तरह तरह के पकवान बनाए जाएंगे, तो क्यों ना इस बार आप बप्पा के भोग के लिए पूरन पोली तैयार करें। महाराष्ट्र की फेमस पूरन पोली खाने में बेहद ही स्वादिष्ट होती है और गणरति जी को भोग लगाने के लिए ये परफेक्ट भी है। तो चलिए जानते हैं इसकी रेसिपी।

पूरन पोली बनाने की सामग्री
3 हरी इलायची
1 कप आटा
1 कप चीनी
एक चुटकी नमक
4 चम्मच दूध
2 चम्मच चावल का आटा
डेढ़ कप चने की दाल
आधा कप घी
1/4 कप पानी
तेल
आधा चम्मच पिसा हुआ जायफल

पूरन पोली बनाने की विधि: सबसे पहले, आटा लगाएं और उसे एक घंटे के लिए साइड रख दें। अब चने की दाल को प्रेशर कुकर में उबाल लें और फिर उसे छान के एक तरफ रखें। अब एक पैन को गर्म करें और उसे मध्यम आंच पर सेकें और फिर गैस बंद कर ठंडा होने दें।

अचारी फ्लेवर के साथ बनाएं मैगी, जानें रेसिपी

मैगी खाना सभी को अच्छा लगता है लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि जब हम ज्यादा मैगी खाने लगते हैं, तो हमें इसके स्वाद में कोई भी नयापन नहीं लगता। धीरे-धीरे हम मैगी से उबने लगते हैं। ऐसे में मैगी को डिफरेंट स्टाइल में बनाना चाहिए। आज हम आपको अचारी फ्लेवर के साथ मैगी बनाने की रेसिपी बता रहे हैं।

सामग्री :

2 पैकेट मैगी
2 प्याज (कटी हुई)
1 शिमला मिर्च (कटी हुई)
2 टमाटर
1 टीस्पून गरम मसाला
1/4 टीस्पून चाट मसाला
1 टीस्पून टोमैटो सॉस
2 टीस्पून अचार का मसाला
1 मैगी मसाला पैकेट
नमक स्वादानुसार
तेल

विधि :

सबसे पहले मीडियम आंच पर एक बर्तन में पानी डालकर मैगी उबलने के लिए रख दें।

इस बीच दूसरी तरफ मीडियम आंच पर पैन में तेल डालकर गरम करने के लिए रख दें।

इसमें प्याज और शिमला मिर्च डालकर हल्का भून लें।

फिर टमाटर डालकर इनके नरम होने तक पकाएं।

इसमें मैगी मसाला, गरम मसाला और नमक मिलाएं।

मसाले के तेल छोड़ने पर टोमैटो सॉस और अचार का मसाला डालकर 2 मिनट पकाएं।

इसमें 2 चम्मच पानी डालकर ग्रेवी को कुछ देर पकाएं।

फिर मैगी को पानी से अलग कर ग्रेवी में डालकर मिक्स कर 2 मिनट तक पकाएं।

तय समय के बाद गैस बंद कर मैगी किसी बर्तन में निकाल लें।

तैयार है अचारी मैगी। गरमागरम सर्व करें।

टिप्स-

चाहें तो बिना ग्रेवी के भी मैगी बना सकते हैं।

इसके लिए जो 2 चम्मच पानी डाला है, उसे स्किप कर सकते हैं।

वजन घटाने में अलसी का काढ़ा करेगा आपकी मदद

इन दिनों वजन कम करने की कोशिश में अधिकतर लोग जुटे हुए हैं। कोरोना के कारण लगे लॉकडाउन में हर किसी का बहुत ज्यादा वजन बढ़ गया है। लेकिन अब हर कोई वर्कआउट कर रहा है। लेकिन कुछ खास रिजल्ट नहीं मिल रहा है तो अब बारी है कुछ घरेलू उपायों की। अलसी फाइबर, ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर होती है, जो वजन घचाने के लिए अच्छी मानी जाती है। अलसी के बीज का काढ़ा बनाना बहुत आसान होता है, जो वजन घटाने में भी आपकी मदद करता है। तो चलिए जानते हैं कैसे बनाएं अलसी का काढ़ा और उसके फायदे।

कैसे बनाएं

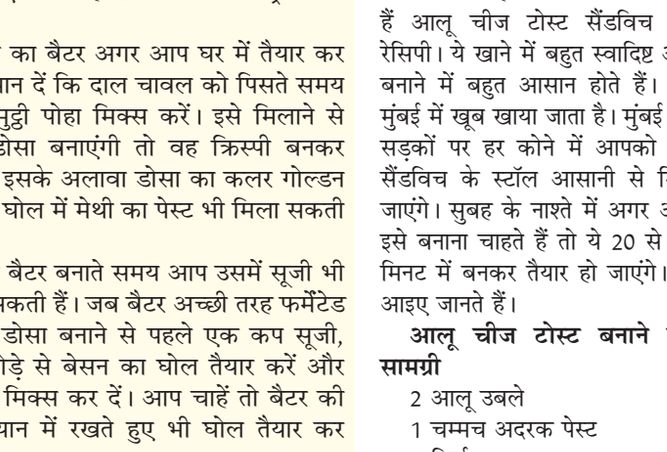

अलसी का काढ़ा बनाने के लिए आपको 2 बड़े चम्मच अलसी और 2 कप पानी की जरुरत होगी। एक पैन में 2 चम्मच अलसा और 2 कप पानी डालें। पानी को तब तक उबलें जब तक कि पानी आधा न रह जाए। अलसी का काढ़ा तैयार है आप इसे छान कर पी सकते हैं।

कैसे वजन घटाने में मिलेगी मदद

» काढ़े को रोजाना पीने से शरीर में जमा अतिरिक्त चर्बी को पिघलामे में मदद मिलती है। इसके अलावा अलसी में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जो आपके शरीर को लंबे समय तक एक्टिव रखने में कामयाब होती है।

» अलसी के काढ़े में मौजूद फाइबर भा आपको लंबे समय तक भरा रखता है और आपको ज्यादा कैलोरी खाने से रोकता है।

» अलसी में अघुलनशील फाइबर होते हैं और यह अच्छे आंत बैक्टीरिया को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। इससे मेटाबॉलिक रेट और भी बढ़ जाता है।

» अलसी में चीनी और स्टार्च की मात्रा कम होती है। जो वजन घटाने के लिए अच्छा है। इस काढ़ा को पीने से आपकी कैलोरी नहीं बढ़ती साथ ही वजन कम करने में मदद मिलती है।

एलोवेरा के फायदे तो बहुत सुने होंगे अब नुकसान भी जान लें, स्किन

बात चाहे खूबसूरती निखारने की हो या फिर सेहतमंद बने रहने की, आपने अभी तक एलोवेरा जूस के कई फायदे सुने होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं इसी एलोवेरा जूस का सेवन अगर आप जरूरत से ज्यादा करते हैं या फिर बिना अपने डॉक्टर से पूछे करते हैं तो ये आपको फायदे की जगह नुकसान तक पहुंचा सकता है। जी हां सुनकर आपको हैरानी हो सकती है लेकिन जरूरत से ज्यादा एलोवेरा का सेवन व्यक्ति को स्किन एलर्जी से लेकर दिल का रोगी तक बना सकता है। इतना ही नहीं, इसमें मौजूद लेटेक्स कोलाइटिस, क्रोहन रोग, एपेंडिसिटिस, डायवर्टिकुलोसिस, आंतों की बाधा, रक्त स्राव, पेट दर्द और अल्सर जैसी समस्याएं का भी कारण बन सकता है।

न्यूट्रिशनिस्ट और वैलनेस एक्सपर्ट वरुण कत्याल (Varun Katyal, Nutritionist And Wellness E&pert) के अनुसार एलोवेरा जूस का अधिक सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल कम हो सकता है। इसके रेचक प्रभाव से मधुमेह रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन की संभावना भी बढ़ सकती है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति विशेष रूप से मधुमेह रोगी है, तो उसे एलोवेरा जूस का सेवन करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

एलोवेरा जूस के नुकसान-

गैस की समस्या: यदि आप गैस की समस्या से जूझ रहे हैं तो एलोवेरा का सेवन न करें। इससे परेशानी बढ़ सकती है। 12 साल से कम उम्र के बच्चों को इसके सेवन से परहेज करना चाहिए।

ब्लड प्रेशर: एलोवेरा का लगातार सेवन आपके ब्लड प्रेशर को लो कर सकता है। ऐसे में जिन लोगों का ब्लड प्रेशर पहले से ही काफी लो रहता हो वो इसका सेवन अपने डॉक्टर से पूछकर ही करें।

दिल के रोगियों के लिए समस्या: जिन लोगों को दिल से संबंधित कोई परेशानी है उन्हें एलोवेरा का सेवन करने से बचना चाहिए। एलोवेरा जूस के लगातार सेवन से शरीर में पोटेशयम कि मात्रा कम हो जाती है, जिसकी वजह से दिल की धड़कनें अनियमित होने के साथ कमजोरी महसूस हो सकती है।

स्किन एलर्जी: एलोवेरा रस को अगर सावधानी से ना पिया जाय तो व्यक्ति को एलर्जी हो सकती है। जिससे उसे त्वचा पर दाने या पित्ती, खुजली या सूजी हुई त्वचा, सांस लेने में कठिनाई, सीने में दर्द और गले में जलन जैसे लक्षण नजर आ सकते हैं।

डिहाइड्रेशन: कई लोग सुबह उठते ही सेहतमंद बने रहने के साथ अपना वजन कम करने के लिए एलोवेरा जेल पीते हैं। लेकिन आपको बता दें बाजार में मिलने वाले इस जूस से आपको डिहाइड्रेशन की परेशानी भी हो सकती है।

डाइरिया: अगर आपको कब्ज या डाइरिया की दिक्कत रहती है, तो एलोवेरा का सेवन न करें। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें मौजूद लैक्सेटिव गुण आपकी इस दिक्कत को और बढ़ा सकता है। इसके रस में एन्थ्राक्विनोन नामक एक पदार्थ होता है, जो रेचक होता है। जिस वजह से इसका सेवन करने वाला व्यक्ति डायरिया,पेट दर्द और दस्त से परेशान हो सकता है।

इस आलेख में दी गई जानकारी की सटीकता, समयबद्धता और वास्तविकता सुनिश्चित करने का हर सम्भव प्रयास किया गया है। हमारा आपसे विनम्र निवेदन है कि किसी भी उपाय को आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से अवश्य संपर्क करें। हमारा उद्देश्य आपको जानकारी मुहैया कराना मात्र है।

एल्युमीनियम के बर्तनों में भूलकर भी न पकाएं ये चीजें

अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए आप सब्जियों के फ्रेश होने से लेकर उसे पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले तेल तक का खास ख्याल रखते हैं। बावजूद इसके क्या आप जानते हैं अनजाने में की गई आपकी छोटी से गलती परिवार के लिए बनाए गए आपके इस सेहतमंद सुरक्षा चक्र को तोड़ कर आपको बीमार बना सकती है। जी हां, सब्जियों और दालों को बाजार से लाकर अच्छे से धोना, भोजन की गुणवत्ता, ताजापन, सही मसालों का उपयोग जैसी चीजें तो घर की महिलाओं की आदत में शुमार होती है। लेकिन उनका ध्यान भोजन को पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बर्तनों पर कम ही जाता है। बस यही पर की गई चूक परिवार के साथ आपकी भी सेहत को बिगाड़कर आपकी मेहनत खराब कर देती है।

अक्सर कई लोग इस बात से अनजान होते हैं कि आप जिस धातु के बर्तन में खाना पकाते हैं उसके गुण भोजन में स्वतः ही आ जाते हैं। भारतीय रसोई में एल्युमीनियम, तांबा, लोहा, स्टेनलेस स्टील और टेफलोन से बने बर्तनों का इस्तेमाल आम होता है। ऐसे में आपको घर के लिए बर्तन खरीदते समय उससे होने वाले फायदे और नुकसान के बारे में सही जानकारी होना बेहद जरूरी है। आजकल एल्युमीनियम से बने बर्तनों का इस्तेमाल लगभग हर घर में होता है। पर क्या आप जानते हैं इस धातु से बने बर्तन में कुछ चीजों को पकाने की मनाही होती है। आइए जानते हैं आखिर क्या हैं वो चीजें जो एल्युमीनियम के बर्तनों में नहीं पकानी चाहिए और ऐसा करने पर सेहत को होता है क्या नुकसान।

एल्युमीनियम के बर्तनों में क्या नहीं पकाना चाहिए

एल्युमीनियम के बर्तन कुकर से लेकर कड़ाहियां हल्के, मजबूत और गुड हीट कंडक्टर होते हैं। कीमत कम होने की वजह से यह ज्यादातर भारतीय रसोई का हिस्सा होते हैं। इसके अलावा ये हीट का अच्छा कंडक्टर होता है इसलिए इसमें तेज़ी से खाना बनाया जा सकता है। एल्युमीनियम अगर शरीर में ज्यादा हो जाए तो ये नुकसानदेह मेटल साबित हो सकता है।

शोधकर्ताओं की मानें तो एल्युमीनियम के बर्तन में चाय, टमाटर प्यूरी, सांभर और चटनी आदि बनाने से बचना चाहिए। इन बर्तनों में खाना जितनी देर तक रहेगा, उसके रसायन भोजन में उतने ही ज्यादा घुलने लगते हैं।

न्यूट्रिशनिस्ट और वैलनेस एक्सपर्ट वरुण कत्याल के अनुसार सेहत पर हुए एक अध्ययन में बताया गया कि, जब एल्युमिनियम के बर्तनों में खाना पकाया जाता है, तो हानिकारक एजेंट आसानी से भोजन के साथ प्रतिक्रिया कर सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि एल्युमीनियम बहुत जल्दी गर्म हो जाता है। जिसके बाद यह हानिकारक एजेंट शरीर के अंदर पहुंचकर व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

एल्युमीनियम के बर्तनों में खाना पकाने के नुकसान

एल्युमीनियम के बर्तनों में खाना पकाने से वो खाने से आयरन और कैल्शियम जैसे तत्वों को सोख लेता है। इसका मतलब अगर खाने के साथ एल्युमीनियम पेट में जाता है तो यह शरीर से आयरन और कैल्शियम सोखना शुरू कर देता है। इससे हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। कुछ अल्जाइमर (याद्दाश्त की बीमारी) के मामलों में मस्तिष्क के उत्तकों में भी एल्युमीनियम के अर्क पाए गए हैं। जिससे यह तो स्पष्ट है कि एल्युमीनियम के तत्व मानसिक बीमारियों के संभावित कारण भी हो सकते हैं। शरीर में एल्युमीनियम की मात्रा अधिक हो जाए, तो टीबी और किडनी फेल तक हो सकती है। यह हमारे लिवर और नर्वस सिस्टम के लिए भी अच्छा नहीं माना जाता है।

कैसे करें एल्युमीनियम के बर्तन इस्तेमाल?

» एल्युमीनियम के बर्तनों में बने खाने को बहुत देर तक उसी बर्तन में स्टोर करके ना रखें।

» बहुत ज्यादा पुराने मेटल के बर्तन जैसे कॉपर, आयरन, एल्युमीनियम का इस्तेमाल ना करें।

प्रियंका गांधी को 30 घंटे हिरासत में रखने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया, थोड़ी देर में कोर्ट में पेशी होगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज सीतापुर

लखीमपुर खीरी हिंसा में मारे गए किसानों के परिवारों से मिलने पहुंचीं प्रियंका गांधी को क्क पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें सीतापुर स्थित पीएसी के गेस्ट हाउस में 30 घंटे हिरासत में रखने के बाद गिरफ्तार किया गया है। उनके खिलाफ धारा 144 के उल्लंघन और शांतिभंग की आशंका जैसी धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस कुछ देर में उन्हें कोर्ट में पेश करेगी।

पुलिस ने प्रियंका समेत 11 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है, इनमें कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा और यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के नाम भी शामिल हैं।

पुलिस ने प्रियंका समेत 11 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है, इनमें कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा और यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के नाम भी शामिल हैं।

उधर प्रियंका की गिरफ्तारी से नाराज कांग्रेस कार्यकर्ता पीएसी गेस्ट हाउस के बाहर हंगामा कर रहे हैं। उन्होंने गेस्ट हाउस के बाहर बैरिकेड्स तोड़ दिए और नारेबाजी करने लगे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से तीखी झड़प हो गई, क्योंकि कार्यकर्ता खाना बनाने का सामान और टेंट लेकर पहुंच गए थे और पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

प्रियंका ने पीएम से सवाल किया है कि मंत्री और उनका बेटा अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं हुए हैं? आप इस वीडियो को देखिए और देश को बताइए कि मंत्री को बर्खास्त क्यों नहीं किया गया? और मेरे जैसे विपक्षी नेताओं को बिना किसी स्न्ङ्खक्र के हिरासत में क्यों रखा हुआ है? कांग्रेस महासचिव ने पीएम मोदी से लखीमपुर आकर पीड़ित किसानों से मिलने का आग्रह किया है।

भाजपा सांसद वरुण गांधी ने लखीमपुर खीरी हिंसा का वीडियो शेयर किया

भाजपा सांसद वरुण गांधी ने मंगलवार को लखीमपुर खीरी हिंसा से जुड़े एक वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस के डीजीपी को यह वीडियो टैग करके पुलिस से दोषियों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है। वरुण गांधी ने ट्वीट किया, लखीमपुर खीरी में किसानों को गाड़ियों से जानबूझकर कुचलने का यह वीडियो किसी की भी आत्मा को झकझोर देगा। पुलिस इस वीडियो का संज्ञान लेकर इन गाड़ियों के मालिकों, इनमें बैठे लोगों, और इस प्रकरण में संलिप्त अन्य व्यक्तियों को चिन्हित कर तत्काल गिरफ्तार करे।

प्रियंका ने झाड़ू लगाकर किया था हिरासत का विरोध

सोमवार को प्रियंका गांधी ने गेस्ट हाउस के कमरे में झाड़ू लगाते हुए वीडियो जारी किया था। कांग्रेस का कहना था कि प्रियंका हिरासत में लिए जाने का विरोध झाड़ू लगाकर कर रही हैं। वहीं, प्रियंका ने सोशल मीडिया पर लिखा था, ये अनशन है अन्नदाता के अधिकार के लिए, संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए। भाजपाई हुकूमत हमारे लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों को नहीं कुचल सकती। गांधीजी के पथ पर चलते हुए अधिकारों की लड़ाई जारी रहेगी।

लखीमपुर में क्या हुआ था? रविवार को किसानों ने केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा का विरोध करते हुए काले झंडे दिखाए थे। इसी दौरान एक गाड़ी ने किसानों को कुचल दिया था। इससे 4 किसानों की मौत हो गई थी। इसके बाद भड़की हिंसा में किसानों ने एक ड्राइवर समेत चार लोगों को पीट-पीटकर मार डाला था। इस हिंसा में एक पत्रकार भी मारा गया। इस मामले में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी के बेटे आशीष मिश्र समेत 14 लोगों खे खिलाफ हत्या और आपराधिक साजिश का केस दर्ज किया गया है।

सरकार और किसानों के बीच हुआ समझौता

लखीमपुर खीरी मामले में सरकार और किसानों के बीच समझौता हो गया है। सरकार ने मृतकों के परिवार को 45 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है। वहीं सभी मृतकों के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी दी जाएगी। साथ ही घटना की न्यायिक जांच और 8 दिन में आरोपियों को गिरफ्तार करने का वादा भी किया गया है।

बलवीर पुरी बने महंत:श्री बाघंबरी गद्दी के नए मुखिया बने बलवीर पुरी, चादर विधि संपन्न, पंच परमेश्वरों ने किया तिलक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज प्रयागराज

बलवीर पुरी प्रायगराज की बाघंबरी गद्दी मठ के नए महंत बन गए हैं। पूरे देश से आए पंच परमेश्वर और कई अखाड़ों के महामंडलेश्वरों ने उन्हें चादर ओढ़ाई और तिलक कर आशीर्वाद दिया। महंत बलवीर को बाघंबरी गद्दी के साथ ही लेटे हनुमान मंदिर की जिम्मेदारी भी मिल गई है। चादर विधि संपन्न होने के बाद बलवीर पुरी सबसे पहले अपने गुरु नरेंद्र गिरि की समाधि पर गए और उनका आशीर्वाद लिया। बलवीर पूरी के महंत बनने के बाद बाघंबरी गद्दी मठ में महंत नरेंद्र गिरि की षोडशी का कार्यक्रम शुरू हुआ। इसकी शुरुआत महंत बलवीर ने 16 संन्यासियों को दान-दक्षिणा और भोजन करवाकर की।

गुरु की मौत का सच जल्द सामने आएगा- बलवीर पुरी

बलवीर पुरी चादर विधि के बाद पहली बार मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने कहा कि गुरु नरेंद्र गिरि के पदचिन्हों पर चलते हुए मठ को आगे ले जाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। मठ में सभी को सम्मान मिले, इसका प्रयास होगा। नरेंद्र गिरि की मौत के मामले में उन्होंने कहा कि देश की बड़ी एजेंसी जांच कर रही है। उनकी मौत से हम सभी बहुत दुखी हैं। उम्मीद है कि जांच एजेंसी जल्द ही सच का पता लगाएगी।

निरंजनी अखाड़े ने जारी किया बयान

बलवीर के महंत बनने के बाद निरंजनी अखाड़े के सचिव रवींद्र पुरी ने कहा कि महंत नरेंद्र गिरि की मौत को ज्यादा तूल न दिया जाए। अभी तक की जांच में यह साबित हो गया है कि नरेंद्र गिरि ने आत्महत्या की है। अब नए महंत बलवीर पुरी महाराज हैं तो उन्हें अपना समर्थन और आशीर्वाद दें।

अल्बुकर्क इंटरनेशनल बैलून फिएस्टा के दौरान न्यू मैक्सिको के अल्बुकर्क शहर में गुब्बारे उड़ते हैं।

न्यूज ब्रीफ

जिन 9 लाख परिवारों को घर मिले वे इस बार अयोध्या से ज्यादा दिये जलाएं: मोदी

लखनऊ ।(ब्न्रस्) आज उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में देश की आजादी के 75वें वर्ष का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में शामिल होने आए प्रधानमंत्री मोदी ने एक होम-वर्क दिया। कहा, अयोध्या में इस बार दिवाली पर साढ़े सात लाख दिये जलाए जाएंगे। जिन 9 लाख परिवारों को अपने घर मिले हैं, वे अपने-अपने घर के बाहर सिर्फ दो दिये जलाएं। मेरे गरीब भाई अपने घर को 18 लाख दिये से रोशन करेंगे तो भगवान राम को भी खुशी होगी। मोदी ने कहा, कुछ महानुभाव हमारे विरोध में ही ऊर्जा खपाते हैं। वे सुन लें कि हमने तीन करोड़ परिवारों को लखपति बना दिया है। यह वे परिवार हैं जिनके घर बन चुके हैं। मुझे इस बात की भी खुशी होती है कि देश में क्करू आवास योजना के तहत जो घर दिए जा रहे हैं, उनमें 80 प्रतिशत से ज्यादा घरों पर मालिकाना हक महिलाओं का है या फिर वो जॉइंट ओनर हैं। 2014 से पहले जो सरकार थी, उसने देश में शहरी आवास योजनाओं के तहत सिर्फ 13 लाख मकान मंजूर किए थे। इसमें भी 8 लाख मकान बनाए गए थे। 2014 के बाद से हमारी सरकार ने क्करू आवास योजना के तहत शहरों में एक करोड़ 13 लाख मकानों को बनाने की मंजूरी दी। कहां 13 लाख और एक करोड़ लाख? इसमें से 50 लाख से ज्यादा घरों को बनवाकर सौंपा जा चुका है। ईंट-पत्थर से जोड़कर घर बना सकते हैं, लेकिन उसे घर नहीं कह सकते। जब सपने जुड़ जाएं तो इमारत घर बन जाती है। अब दिल्ली में एसी में बैठना वाला यह तय नहीं करता कि खिड़की किधर लगेगी। इतनी छोटी जगह पर निर्माण होता था कि उसमें रहना मुश्किल था। 2014 के बाद घरों की साइज को लेकर स्पष्ट नीति बनाई।

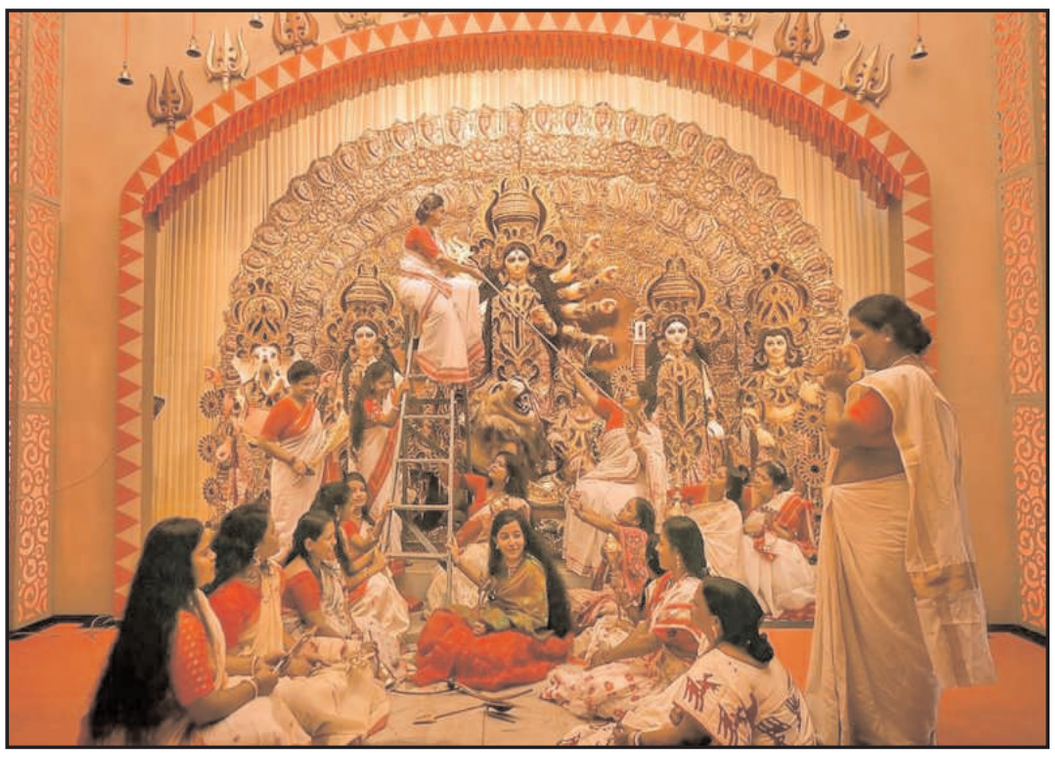

हिंदू भक्त कोलकाता में दुर्गा पूजा उत्सव से पहले एक सामुदायिक पूजा पंडाल में देवी दुर्गा को सजाते हैं।

भारत में पहली बार दिखा ल्यूसिस्टिक किंगफिशर

दुनिया में अब तक सिर्फ 3 बार देखा गया, ब्रिटेन और ब्राजील के बाद राजस्थान के उदयपुर में नजर आया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत में पहली बार ल्यूसिस्टिक कॉमन किंगफिशर पक्षी देखा गया है। यह दुर्लभ पक्षी अब तक दुनिया में सिर्फ तीन बार ही दिखा है। इस बार राजस्थान के उदयपुर जिले के 2 बर्ड वॉचर भानु प्रताप सिंह और विधान द्विवेदी ने इसे देखा है। दोनों ने भारत में पहली बार इस किंगफिशर की साइटिंग डांगियों की हुंदर गांव स्थित रेड सैल्यूट फार्म में की थी, जबकि इसका घोंसला गांव के ही तालाब पर मिला है। यह पक्षी विश्व में पहली बार यूनाइटेड किंगडम और दूसरी बार ब्राजील में देखा गया था। तीसरी बार भारत में दिखा है। भानु प्रताप सिंह और विधान द्विवेदी ने बताया कि इसे 3 अगस्त की सुबह 6.19 बजे पहली बार देखा गया। इसके बाद उन्होंने इस किंगफिशर के फोटो और वीडियो क्लिक कर इसके बारे में जानकारी जुटानी शुरू की। साथ ही इसके घोंसले की भी तलाश की गई। तीन-चार दिनों की खोज के बाद इसके यहीं रहने की पुष्टि हुई। तब इन्होंने पक्षी विशेषज्ञों से संपर्क कर इसकी साइटिंग के बारे में जानकारी जुटाई। उन्होंने विशेषज्ञों की सहायता से रिसर्च पेपर तैयार कर इंडियन बर्ड वेबसाइट पर इसे भेजा।

भारत की पहली साइटिंग

राजपूताना सोसायटी ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के संस्थापक और भरतपुर के पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. सत्यप्रकाश मेहरा ने भी ल्यूसिस्टिक कॉमन किंगफिशर की उदयपुर में साइटिंग को भारत की पहली साइटिंग बताया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भरतपुर के घाना पक्षी अभयारण्य में साल 1991 में एल्बिनो कॉमन किंगफिशर की साइटिंग रिपोर्टेड है। उदयपुर की जैव विविधता के बीच ल्यूसिस्टिक कॉमन किंगफिशर की साइटिंग वास्तव में उपलब्धि है। इसे शोध पत्रिकाओं में स्थान मिलना ही चाहिए। इधर, उदयपुर के पक्षी विशेषज्ञ और सेवानिवृत्त सहायक वन संरक्षक डॉ. सतीश शर्मा ने ल्यूसिस्टिक कॉमन किंगफिशर की साइटिंग पर खुशी जताते हुए कहा कि शहर और आसपास की प्रदूषण मुक्त आबोहवा के कारण दुर्लभ प्रजातियों के पक्षियों की भी साइटिंग हो रही है।

ऐसा होता है एल्बिनो और ल्यूसिस्टिक

डॉ. सत्यप्रकाश मेहरा ने बताया कि जिस तरह से मनुष्यों में सफेद दाग या सूर्यमुखी होते हैं उसी तरह से अन्य जीवों का एल्बिनो और ल्यूसिस्टिक होना भी एक तरह की बीमारी है। इसमें भी एल्बिनो में तो पूरी तरह जीव सफेद हो जाता है और आंखें लाल रहती हैं। इसी प्रकार ल्यूसिस्टिक में शरीर के कुछ भाग जैसे आंख, चोंच, पंजों और नाखून का रंग एक जैसा रहता है और अन्य अंग सफेद हो जाते हैं।

पूर्वी लद्दाख में चीनी एयरफोर्स मौजूद, लेकिन भारत पर कोई असर नहीं होगा: एयरचीफ मार्शल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना की 89वीं सालगिरह पर वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल वीआर चौधरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि चीन की एयरफोर्स पूर्वी लद्दाख में मौजूद है, लेकिन इसका असर भारत पर नहीं पड़ने वाला है। हाल ही में जम्मू में हुए ड्रोन अटैक पर एयरफोर्स चीफ ने कहा कि हमने एंटी ड्रोन कैपेबिलिटी सिस्टम पर 4 साल पहले ही काम करना शुरू कर दिया था। इसे ज्यादा से ज्यादा तादाद में भारत में ही बनाया जा रहा है, जिससे आत्मनिर्भर भारत को मजबूती मिले। एयरचीफ मार्शल ने कहा कि ड्रोन विकसित करने के लिए जल्द ही स्टार्टअप्स को कॉन्ट्रैक्ट देना चाहते हैं।

राफेल के शामिल होने से क्षमता बढ़ी: एयरचीफ मार्शल ने कहा कि राफेल और अपाचे के सेना के बेड़े में शामिल होने से युद्ध क्षमता बढ़ी है। जल्द ही हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (॥्रु) से 6 लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर मिलने वाले हैं। यह 7000 किलोमीटर की दूरी तय कर सकते हैं। इनमें बिना किसी दिक्कत के 17 दिनों तक उड़ान भरने की क्षमता है।

दूसरी लहर में एयरफोर्स ने अपनी क्षमता दिखाई

उन्होंने आगे कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में एयरफोर्स ने अपनी क्षमता का परिचय दिया है। दूसरी लहर के दौरान हमारी वायुसेना ने विदेशों में मेडिकल सप्लाई पहुंचाने के लिए 1100 घंटों से ज्यादा की उड़ान भरी।

ब्रेन कैंसर के इलाज में इजराइल को बड़ी कामयाबी, ट्यूमर को प्रोटेक्ट करने वाली कोशिकाओं की पहचान की

नई दिल्ली ।(ब्न्रस्) इजराइल के वैज्ञानिकों ने ऐसी खोज की है, जिससे ब्रेन कैंसर के इलाज के लिए बड़ी कामयाबी मिल सकती है। वैज्ञानिकों ने उन कोशिकाओं की खोज की है, जो पहले तो कैंसर के खिलाफ लड़ाई लड़ती हैं, लेकिन बाद में ट्यूमर को प्रोटेक्ट करने लगती हैं।

यह खोज तेल अवीव यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने की है। उन्होंने बताया कि टर्नकोट वाइट ब्लड सेल्स, न्यूट्रोफिल कैंसर के बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए जाने जाते हैं, लेकिन बाद में इनके व्यवहार में बदलाव आ जाता है और ये ट्यूमर को बढ़ने में मदद करने लगते हैं।

राजस्थान में बाल विवाह रजिस्ट्रेशन पर विवाद

नई दिल्ली ।(ब्न्रस्) राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने मैरिज रजिस्ट्रेशन संबंधी कानून में संशोधन को लेकर पारित बिल को रोक लिया है। राज्यपाल ने विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और सामाजिक संगठनों की आपत्तियों के बाद यह फैसला लिया है। राज्यपाल इस मुद्दे पर कानूनी सलाह ले रहे हैं। राजस्थान सरकार ने बाल विवाह पंजीकरण के लिए विधानसभा में पिछले महीने बिल तो पास करा लिया, लेकिन इस पर विवाद भी शुरू हो गया था। कांग्रेस सरकार ने राजस्थान अनिवार्य विवाह पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2021 को विधानसभा में पारित किया है। इसे लेकर मूल कानून 2009 में बनाया गया था, जिसमें संशोधन करते हुए विधानसभा में बिल को पास किया गया था। बिल में बाल विवाह के मुद्दे को यह कहते हुए शामिल किया गया है कि यदि 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के और 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की के बीच विवाह होता है, तो ऐसे में शादी के 30 दिनों के भीतर माता-पिता या गार्जियन की तरफ से रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है।

रोस्कोस्मोस स्पेस एजेंसी द्वारा जारी वीडियो फुटेज से ली गई इस तस्वीर में, सोयुज एमएस -19 अंतरिक्ष जहाज के साथ सोयुज-2.1 ए रॉकेट बूस्टर, अभिनेत्री यूलिया पेरसिल्ड, फिल्म निर्देशक क्लिम शिपेंको और अंतरिक्ष यात्री एंटोन श्काप्लेरोव को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन, आईएसएस में ले जा रहा है, विस्फोट रूसी पट्टे पर बैकोनूर कोस्मोड्रोम, कजाकिस्तान में बंद।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड जूनियर विश्व कप हॉकी से हटा

लंदन। इंग्लैंड ने भारत में कोविड-19 के नियमों के तहत ब्रिटेन के नागरिकों के लिए भारत में 10 दिनों के अनिवार्य पृथकवास का हवाला देते हुए भुवनेश्वर में अगले महीने होने वाले एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप से नाम वापस ले लिया है। इंग्लैंड हॉकी ने एक बयान में कहा कि उसने 24 नवंबर से 5 दिसंबर तक खेले जाने वाले टूर्नामेंट से हटने के अपने फैसले के बारे में विश्व हॉकी के शासी निकाय एफआईएच को सूचित कर दिया है। बयान के मुताबिक कि कोविड से जुड़ी कई चिंताओं के बीच खिलाड़ियों और सहयोगी सदस्यों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए टूर्नामेंट में भाग लेना संभव नहीं है। हमारे ध्यान में आया है कि भारत सरकार ने शुक्रवार को ब्रिटेन के नागरिकों के लिए 10 दिनों के पृथकवास की घोषणा की है। भारत ने शुक्रवार को देश में आने वाले सभी ब्रिटिश नागरिकों पर उसी तरह के प्रतिबंध लगाये है जैसे ब्रिटेन में भारतीय नागरिकों पर लगे है। टीम के प्रदर्शन निदेशक एड बार्नी ने कहा कि उदास मन से हमने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। हम उन खिलाड़ियों और कोचों के प्रति बेहद सहानुभूति रखते हैं जो अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के इस अवसर से चूक जाएंगे।

चैम्पियन चैस टूर फाइनल - अरोनियन नें विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन को हराया

ओस्लो, नॉर्वे। एक साल से चल रहे ऑनलाइन चैम्पियन चैस टूर फाइनल का खिताब विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें दो राउंड के पहले ही सबसे ज्यादा अंक जुटाकर अपने नाम कर लिया है पर आठवे राउंड मे उन्हे दिग्गज अर्मेनिअन खिलाड़ी लेवोन अरोनियन से 3-1 की एकतरफा हार का सामना करना पड़ा है । बेस्ट ऑफ चार मुकाबलों के इस राउंड में अरोनियन नें कार्लसन केपी पहले और चौंथे मुक़ाबले में मात दी जबकि दो मुक़ाबले अनिर्णीत रहे । पहले मुक़ाबले में सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए अरोनियन नें नीमजोविच डिफेंस में दो वजीर बनाते हुए 39 चालों में कार्लसन को हार मानने पर विवश कर दिया जबकि चौंथे मुक़ाबले में काले मोहरो से नीमजो इंडियन डिफेंस में अरोनियन नें कार्लसन के आक्रमण को निस्तेज साबित करते हुए मात्र 26 चालों में बाजी अपने नाम कर ली । पूरे टूर में यह कार्लसन की सबसे बड़ी एकतरफा हार रही । हालांकि इस हार के बाद भी अंक तालिका में 28.5 अंको के साथ पहले स्थान पर बने हुए है और उनका खिताब जीतना तय है । अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव 24 अंको के साथ दूसरे , यूएसए के वेसली सो 23.5 अंको के साथ तीसरे और लेवोन इस जीत के बाद 21 अंको के साथ चौंथे स्थान पर आ गए है ।

कोलकाता को खिताब दिलाने वाले बिस्ला अब कोचिंग और कमेंट्री में हाथ आजमा रहे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

साल 2012 के आईपीएल फाइनल में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 48 गेंदों में 89 रनों की मैच विनिंग पारी खेलकर कोलकाता नाइटराइडर्स को पहली बार ट्रॉफी दिलाने में मनविंद्र बिस्ला ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पारी के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड भी मिला। अगले सीजन में वो अपना फॉर्म बरकरार रखने में विफल रहे, फिर कोलकाता ने उन्हें रिलीज कर दिया। साल 2015 में बिस्ला RCB से जुड़े, लेकिन उन्हें ज्यादा मौका नहीं मिला। 6 साल तक वे आईपीएल से दूर रहे। हालांकि पिछले साल यह भी खबर आई थी कि बिस्ला ने आईपीएल में वापसी की उम्मीद छोड़ दी है और अब वे श्रीलंका प्रीमियर लीग में खेलेंगे। बिस्ला से बातचीत कर यह जानने की कोशिश की कि उनकी भविष्य की क्या योजना है और 2015 के बाद उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

	मैच	औसत	रन
IPL	39	21.00	798
फर्स्ट क्लास	49	30.23	2207
टी20	65	21.70	1324
लिस्ट ए	48	26.92	1132

इस साल घरेलू टूर्नामेंट और आईपीएल में कमेंट्री के लिए स्पोर्ट्स चैनल से किया करार:- बिस्ला ने बताया कि 6 साल आईपीएल में वापसी का इंतजार करने के साथ ही वे एअर इंडिया के लिए भी खेलते रहे। वहीं इस साल उन्होंने घरेलू टूर्नामेंट और आईपीएल में कमेंट्री के लिए एक स्पोर्ट्स चैनल के साथ करार किया है। वे अब अपना पूरा फोकस कोचिंग के साथ कमेंट्री में करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि गुड़गांव में स्पोर्ट्स क्यूब में वे क्रिकेटरों को कोचिंग दे रहे हैं। भविष्य में वे कोचिंग और कमेंट्री में ही अपना करियर बनाना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने कोचिंग को जारी रखा है। आईपीएल में वापसी का इंतजार करने के दौरान भी वे स्पोर्ट्स क्यूब से जुड़े रहे और नए खिलाड़ियों को तैयार करने में अपना योगदान देते रहे।

पूरे परिवार के साथ गुड़गांव में रहते हैं

बिस्ला ने बताया कि वे अपने पूरे परिवार के साथ गुड़गांव में रह रहे हैं। परिवार में मम्मी और पापा के अलावा उनकी पत्नी, एक बेटी और एक बेटा है।

कई मौके मिले, पर भुना नहीं पाए

बिस्ला ने कहा कि मुझे काफी मौके मिले। आईपीएल हो या घरेलू टूर्नामेंट, सभी ने मेरा साथ दिया। पर मैं प्रदर्शन को स्थायी नहीं रख पाया। यही वजह है कि मुझे टीम से बाहर भी होना पड़ा। मुझे लगता है कि कई बार आप मेहनत करते हैं, पर मैच में परिस्थिति आपके अनुकूल नहीं होती, इसलिए आप बेहतर नहीं कर पाते। मुझे क्रिकेट और गुरुजनों से जो कुछ मिला, उससे मैं संतुष्ट हूं।

पेरेंट्स का पूरा सपोर्ट मिला

बिस्ला ने कहा कि मेरे यहां तक के करियर में मेरे माता-पिता का काफी योगदान रहा। मेरे पापा वॉलीबॉल खिलाड़ी थे। वे सरकारी जॉब में थे। ऐसे में मुझे शुरुआती स्तर पर किसी तरह की आर्थिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ा। हम दो भाई-बहन थे। पापा ने खेलने से कभी नहीं रोका। मुझे अन्य बच्चों की तरह ही क्रिकेट खेलने का शौक था। मैं चौथी क्लास में था, तब जवाहर नगर में अनुराग हुड्डा की क्रिकेट एकेडमी में क्रिकेट सीखना शुरू किया था।

आईपीएल 2021 कौन पहुंचेगा प्लेऑफ में?

तीन टीमें कन्फर्म, चौथे स्थान के लिए जोरदार टक्कर

कोलकाता-राजस्थान और मुंबई रेस में; पंजाब लगभग बाहर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आईपीएल 2021 का दूसरा लेग बहुत ही रोमांचक स्थिति में आ पहुंचा है। प्लेऑफ के लिए अभी भी चौथी टीम नहीं मिल पाई है। चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु तीन टीमें तो कन्फर्म हैं। प्लेऑफ के लिए चौथी टीम कौन सी हो सकती है? चौथे स्थान पर पहुंचने के लिए क्या-क्या समीकरण हैं? आइए आपको बताते हैं। कोलकाता प्लेऑफ के साथ-साथ चौथे नंबर पर पहुंचने वाली सबसे मजबूत दावेदार है। हैदराबाद के खिलाफ जीत के बाद टीम के 12 अंक हो गए हैं। टीम का रन रेट भी कमाल का है। अगर कोलकाता राजस्थान को अपने आखिरी मुकाबले में हरा देती है तो वो प्ले-ऑफ में आसानी से पहुंच जाएंगी, लेकिन अगर उसे राजस्थान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ता है तो उसे दुआ करनी होगी कि राजस्थान के 12 अंक न हों। साथ ही मुंबई राजस्थान को हरा दे और अपने आखिरी मैच में मुंबई हैदराबाद से हार जाए। ऐसे में कोलकाता बेहतर रन रेट के कारण 12 अंक के साथ भी क्वालीफाई कर जाएगी।

कोलकाता

कोलकाता प्लेऑफ के साथ-साथ चौथे नंबर पर पहुंचने वाली सबसे मजबूत दावेदार है। हैदराबाद के खिलाफ जीत के बाद टीम के 12 अंक हो गए हैं। टीम का रन रेट भी कमाल का है। अगर कोलकाता राजस्थान को अपने आखिरी मुकाबले में हरा देती है तो वो प्ले-ऑफ में आसानी से पहुंच जाएंगी, लेकिन अगर उसे राजस्थान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ता है तो उसे दुआ करनी होगी कि राजस्थान के 12 अंक न हों।

राजस्थान रॉयल्स

राजस्थान रॉयल्स को प्ले-ऑफ में पहुंचने के लिए अपने आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे। वहीं, मुंबई और कोलकाता को अपने-अपने मैच हारने होंगे। राजस्थान अगर एक मैच जीत जाती है तो उसे अपने नेट रन रेट को बेहतर करना होगा। जैसे अगर वो मुंबई के खिलाफ 1 रन से हारती है तो उसे कोलकाता को 75 रन से हराना होगा। ऐसे में 12 अंकों के साथ भी उसकी प्ले-ऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार रहेंगी।

पंजाब किंग्स

पंजाब किंग्स को प्ले-ऑफ में पहुंचने के लिए सबसे पहले तो चेन्नई के खिलाफ अपना आखिरी मैच जीतना होगा। अगर वो ये मैच जीत जाती है तो उसके 12 पॉइंट्स हो जाएंगे। इसके साथ ही उसे दुआ करनी होगी कि कोलकाता नाइट राइडर्स राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बुरी तरह से हारे। साथ ही टॉप-3 के अलावा किसी और टीम के 14 पॉइंट्स न हों।

मुंबई इंडियंस

मुंबई और राजस्थान रॉयल्स का समीकरण एक ही तरह का है। दोनों ही टीमों का नेट रन-रेट बहुत ही खराब है। मुंबई को भी अपने आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे। वहीं, अगर कोलकाता राजस्थान को हरा देती है, तो उसके 14 पॉइंट्स हो जाते हैं। ऐसे में मुंबई को दोनों मैच 200 रनों के अंतर से जीतना होगा। तभी रोहित की आर्मी प्ले-ऑफ में जगह बना सकती है।

आईपीएल में खराब अंपायरिंग : गावस्कर भड़के, कहा-

इस तरह के खराब निर्णय पूरा मैच बदल सकते हैं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज सलामी बल्लेबाज रहे सुनील गावस्कर ने आईपीएल 2021 के दौरान हो रही खराब अंपायरिंग को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि अंपायर के कुछ फैसले जीत और हार के अंतर को कम कर सकते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। इस तरह के खराब निर्णय पूरे मैच को बदल सकते हैं। यह अच्छी बात है कि दिल्ली मैच जीत गई। सोमवार को चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले गए मैच में आखिरी ओवर के दौरान ड्वेन ब्रावो की एक गेंद ऑफ स्टंप से बहुत दूर थी। इसके साथ ही वो गेंद पिच पर लैंड भी नहीं कर रही थी। लेकिन इस गेंद को TV अंपायर ने नो-बॉल की जगह वाइड बॉल करार दिया। सुनील गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कमेंट्री करते हुए कहा- वह स्पष्ट रूप से नो बॉल थी। हमने TV अंपायरों से कुछ फैसले लिए हैं, जो इन परिस्थितियों में जीत और हार के बीच अंतर को कम कर सकते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। यह अच्छी बात है कि दिल्ली जीत गई, क्योंकि इससे खेल बदल सकता था। बता दें, इस फैसले का मैच के नतीजे पर कोई असर नहीं पड़ा। दिल्ली के मध्यक्रम के बल्लेबाज शिमरन हेटमायर अपनी टीम को जीत दिलाने में कामयाब रहे। हेटमायर ने 18 गेंदों में 28 रन की पारी खेलकर इस रन चेज को पूरा किया। मैच के दौरान पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने हेटमायर को लेकर दिल्ली टीम की आलोचना भी की।

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सत्र का आयोजन दो साल के इंतजार के बाद 22 दिसंबर से बेंगलुरू में किया जाएगा लेकिन इसमें दर्शकों को आने की अनुमति नहीं होगी। पीकेएल के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स की यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार खिलाड़ियों और हितधारकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए दर्शकों के बिना टूर्नामेंट का आयोजन करवाने का फैसला किया गया है।

भारत-पाकिस्तान मुकाबले से चांदी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

स्टार स्पोर्ट्स इस बार आईसीसी टी20 विश्व कप में 24 अक्टूबर को दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान के मैच के लिए अलग से विज्ञापन का कोई स्लॉट नहीं बेच रही है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। टूर्नामेंट की प्रसारक 17 अक्टूबर से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के सभी 45 मैचों के लिए पैकेज में विज्ञापन स्लॉट बेच रही है और उसके लगभग सभी स्लॉट बुक हो चुके हैं।

2019 में आईसीसी विश्व कप टूर्नामेंट में प्रसारक ने अंतिम समय में कुछ स्लॉट की बिक्री की थी। भारत और पाकिस्तान के मुकाबले में 10 सेकंड्स के लिए 20 लाख रुपये लिए गए थे। विश्व कप के दौरान विज्ञापन देने वाली एक अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, %यह टेलीविजन का सबसे पसंदीदा कार्यक्रम है और इसके दर्शकों की संख्या सबसे

अधिक होती है। इसलिए यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।%

भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच के लिए विज्ञापनदाता 10 सेकंड्स के लिए करीब 15 लाख रुपये दे रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 10 सेकंड्स के विज्ञापनों की दर करीब 10 करोड़ रुपये होती है और प्लेऑफ में इसकी दर बढ़ जाती है। रेडिफ्यूजन के प्रबंध निदेशक संदीप गोयल ने कहा, %आईपीएल के साथ राष्ट्रीय गौरव जुड़ा नहीं होता है। इसलिए विश्व कप के दौरान विज्ञापनों की दर आईपीएल से ज्यादा है। भारत के प्रदर्शन से भी विज्ञापन की दरें प्रभावित होती हैं।%

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच यदा-कदा ही होते हैं। आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति नहीं है। दोनों देशों का अपनी-अपनी टीमों के साथ भावनात्मक लगाव के कारण अक्सर दर्शकों की संख्या का रिकॉर्ड टूट जाता है और विज्ञापनदाताओं के लिए ऐसे मैच काफी महंगे होते हैं और कई बार तो फाइनल मुकबाले से भी ज्यादा विज्ञापन दर होती है। हालांकि स्टार स्पोर्ट्स ने विज्ञापन दरों को लेकर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

उदाहरण के लिए 2019 में आईसीसी विश्व कप में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए मैच को सबसे ज्यादा 27.3 करोड़ दर्शकों ने टीवी पर देखा। इनमें से 23.3 करोड़ दर्शक भारत के थे। इसके अलावा 5 करोड़ लोगों ने डिजिटल रूप में मैच का आनंद लिया।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक

SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021

खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

न्यूज ब्रीफ

श्रेय का निदेशक मंडल बर्खास्त

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने श्रेय इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनैंस और श्रेय इक्विपमेंट फाइनैंस के निदेशक मंडल को आज बर्खास्त कर दिया। विभिन्न भुगतान बाध्यताओं को पूरा करने में विफल रहने और संचालन की खामियों के कारण आरबीआई ने यह कदम उठाया है और इसे दिवालिया कार्रवाई का सामना करना होगा। यह दूसरी वित्तीय फर्म है जिसके निदेशक मंडल को आरबीआई ने बर्खास्त किया है। इससे पहले इसी तरह के एक मामले में डीएचएफएल के खिलाफ कार्रवाई की गई थी और समाधान प्रक्रिया के तहत अब यह कंपनी पीरामल एंटरप्राइजेज का हिस्सा बन चुकी है। अनुमान के मुताबिक श्रेय में बैंकों के करीब 28,000 करोड़ रुपये और बॉन्ड धारकों के 18,000 करोड़ रुपये फंसे हैं। विश्लेषकों को अनुमान है कि समाधान प्रक्रिया में लेनदारों को भारी नुकसान उठाना होगा। श्रेय के प्रवक्ता ने कहा कि वे इस कदम से स्तब्ध हैं और सभी कानूनी विकल्पों का सहारा लेंगे। आरबीआई ने बैंक ऑफ बड़ौदा के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक रजनीश शर्मा को कंपनी का प्रशासक नियुक्त किया है। शर्मा आईबीसी के तहत दोनों गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के समाधान की प्रक्रिया जल्द ही शुरू करेंगे। ऋणशोधन अक्षमता एवं समाधान पेशेवर की नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि पंचाट में भी आवेदन किया जाएगा। आरबीआई ने प्रशासक को सलाह देने के लिए तीन सदस्यीय परामर्श समिति भी नियुक्त की है। इस समिति के सदस्यों में इंडियन ओवरसीज बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी आर सुब्रमण्यकुमार, सुंदरम फाइनैंस के पूर्व प्रबंध निदेशक टीटी श्रीनिवास राघवन और टाटा संस के पूर्व मुख्य परिचालन अधिकारी फारुख एन सूबेदार शामिल हैं। सुब्रमण्यकुमार डीएचएफएल के भी प्रशासक थे।

सर्दियों में प्रदूषण रोकने को कूड़ा जलाने व निर्माण स्थलों पर होगी सख्ती

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सर्दियों में होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कार्ययोजना तैयार कर ली है जिसमें कूड़ा जलाने और निर्माण स्थलों पर धूल से होने वाले प्रदूषण को रोकने की सख्त निगरानी कर उल्लंघन करने वालों पर सख्ती शामिल है। दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार और पड़ोसी राज्यों की सरकारों से पराली जलने से फैलने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए दिल्ली सरकार की तरह डी-कंपोजर घोल का छिड़काव करने की अपील की है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज प्रदूषण नियंत्रण के लिए शीतकालीन कार्य योजना की घोषणा करते हुए कहा कि दिल्ली में इस समय प्रदूषण काफी नियंत्रण में है। लेकिन कुछ दिनों बाद पड़ोसी राज्यों में पराली जलने के साथ ही प्रदूषण बढ़ने लगेगा। दिल्ली सरकार द्वारा सर्दियों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए 10 बिंदुओं वाली कार्य योजना में कूड़ा जलाने और निर्माण स्थलों पर धूल से होने वाले प्रदूषण को रोकने पर खास जोर दिया गया है।

सर्विस इंडस्ट्री में रिकवरी जारी, मांग में इजाफा होने से लगातार दूसरे महीने बढ़ी एक्टिविटी

नौ महीने से चल रहा छंटनी का दौर खत्म, शुरू हुईं भर्तियां

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

मैन्युफैक्चरिंग की तरह सर्विस सेक्टर में भी एक्टिविटी बढ़ रही है, लेकिन उसकी रफ्तार में मासिक आधार पर कमी आई है। इसमें एक अहम बात यह है कि दोनों सेक्टर एक मोर्चे पर एक-दूसरे से अलग-अलग कदम उठा रहे हैं। पिछले महीने यानी सितंबर में सर्विस सेक्टर की कंपनियों ने भर्तियां शुरू की, जबकि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में छंटनी बढ़ी।

घरेलू बाजार में मांग बढ़ी

एक निजी सर्वेक्षण के मुताबिक, घरेलू बाजार में मांग बढ़ने और कोविड से जुड़ी पाबंदियां घटने से सर्विस सेक्टर में लगातार दूसरे महीने एक्टिविटी बढ़ी। इसको देखते हुए लगभग एक साल बाद पहली बार इस सेक्टर की कंपनियों ने भर्तियां शुरू कीं। IHS मार्केट सर्विसेज पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स सितंबर में 55.2 पर रहा। यह एक महीने पहले यानी अगस्त में 18 महीने के उच्चतम स्तर 56.7 पर पहुच गया था। इस तरह, IHS मार्केट सर्विसेज PMI 50 से ऊपर रहा, जो यह बताता है कि एक्टिविटी बढ़ी है। इसके नीचे होने का मतलब नेगेटिव ग्रोथ होता है।

कंपनियों को मिले ज्यादा नए काम

IHS मार्केट की एसोसिएट डायरेक्टर-इकोनॉमिक्स, पॉलियाना डी लीमा ने कहा, कोविड संक्रमण के मामले घटने और उससे जुड़ी पाबंदियां हटाए जाने से कंपनियों को रिकवरी का फायदा लगातार मिल रहा है। बाजार की हालत बेहतर होने से सितंबर में कंपनियां ज्यादा नए काम ले पाईं और अपना कामकाज बढ़ा सकीं।

विदेश में मांग कमजोर बनी हुई है

सर्वेक्षण के मुताबिक सितंबर में कम रफ्तार से ही सही, न्यू बिजनेस सब-इंडेक्स लगातार दूसरे महीने बढ़ा। सरकारी एजेंसियों के कोविड से जुड़ी पाबंदियां हटाने से ग्राहकों की संख्या और कंपनियों की आमदनी में इजाफा हुआ। इससे पता चलता है कि घरेलू मांग में सुधार आया है, लेकिन विदेशी बाजार में मांग कमजोर बनी हुई है और उसमें लगातार 19 महीने कमी आई है।

कंपनियों का रुख सकारात्मक बना हुआ है

कोविड के संक्रमण में लगातार कमी आने और पाबंदियां घटाए जाने की उम्मीद से कंपनियों का रुख सकारात्मक बना हुआ है, लेकिन महंगाई ज्यादा रहने की चिंता से ग्रोथ की संभावनाएं कमजोर बनी हुई हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने महंगाई के लिए 2 फीसदी -6 फीसदी का दायरा तय किया है, जो रॉयटर्स के सर्वेक्षण के मुताबिक इस वित्त वर्ष ऊपरी सीमा के पास 5.4 फीसदी पर रह सकती है।

इनपुट कॉस्ट लगातार 15 महीने बढ़ी

सितंबर में कंपनियों की इनपुट कॉस्ट लगातार 15 महीने बढ़ी। कच्चे माल की कीमत और माल भाड़ा में इजाफा हुआ, लेकिन कंपनियों ने बढ़ी लागत का बोझ ग्राहकों पर नहीं डाला। जानकारों का कहना है कि इन सबके बावजूद RBI ब्याज दर बढ़ाने से परहेज कर सकता है, क्योंकि उसका ध्यान ग्रोथ बढ़ाने पर है।

सर्विस सेक्टर में नई भर्तियां शुरू

सितंबर में अच्छी बात यह रही कि लगातार नौ महीने से छंटनी कर रही सर्विस सेक्टर की कंपनियों ने अपना रुख बदल लिया और नई भर्तियां शुरू कीं। हालांकि, भर्तियां बहुत कम रहीं, क्योंकि कंपनियां मौजूदा वर्क फोर्स से पुराने काम निपटाते हुए बढ़ी मांग को भी पूरा कर रही हैं। पॉलियाना ने कहा, %कंपनियों के पुराने काम में कमी आई है। इसका मतलब यह है कि कंपनियों के पास बढ़ते कामकाज को संभालने के लिए पर्याप्त वर्क फोर्स है। तो, जॉब मार्केट में रिकवरी जारी रहने की गारंटी नहीं है।

यूनियन का आरोप : बीएसएनएल के चेयरमैन पी.के. पुरवार को हटाया जाए, उनके नेतृत्व में कंपनी घाटे में गई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सरकारी टेलीकॉम कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड के कर्मचारी यूनियनों ने चेयरमैन पी.के. पुरवार को हटाने की मांग की है। यूनियन ने कहा है कि कंपनी को फिर से जिंदा करने में पुरवार विफल रहे हैं। बीएसएनएल के चेयरमैन पी के पुरवार को हटाने के लिए बीएसएनएल की सभी यूनियन 26 अक्टूबर को काला झंडा लेकर और काला बैज पहनकर प्रदर्शन करेंगी। इन मांगों में पीके पुरवार को हटाने को भी शामिल किया जाएगा। यूनियन 6 अक्टूबर से सोशल मीडिया पर पुरवार को पद से हटाने की मांग को लेकर अभियान शुरू करेगी।

रिवाइवल पैकेज पर कोई कदम नहीं उठाया गया

यूनियन ने कहा है कि 2019 में घोषित किये गए रिवाइवल पैकेज की मंजूरी के बाद भी अब तक इसके बारे में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इसके अलावा कर्मचारियों के मामलों के सेटलमेंट के लिए भी कोई कदम नहीं उठाया गया है। यूनियन ने अपने सर्कुलर में कहा कि पी के पुरवार ही कंपनी की चौतरफा विफलता के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। गौरतलब है कि सरकार ने अक्टूबर 2019 में बीएसएनएल और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड को लगभग 69,000 करोड़ रुपए के संयुक्त रिवाइवल पैकेज की पेशकश की थी। इससे दोनों कंपनियों को अपने घाटे को कम करने में मदद मिली है।

लंबे इंतजार के बाद बस सेवा के बिना खुले स्कूल

नई दिल्ली। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार आज से मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में स्कूल शुरू हो गए। महाराष्ट्र में 18 महीने से अधिक समय के बाद स्कूल परिसर में पांचवी से 12वीं के छात्रों की कक्षाएं शुरु हुई। राज्य सरकार के आदेश पर स्कूल तो खुल गए लेकिन स्कूल बसें अभी पूरी तरह तैयार नहीं है जिनको तैयार होने में करीब एक महीने का समय लगेगा। राज्य में कोविड-19 के मद्देनजर अभी तक कक्षाएं ऑनलाइल आयोजित की जा रही थीं। महाराष्ट्र की स्कूल शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने राज्य में स्कूल परिसर में कक्षाएं शुरू होने की पिछले महीने घोषणा की थी और सरकार ने एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी जारी की थी।

बारिश का असर:आवक कम होने से सब्जियां हुई महंगी, 200 रुपए किलो तक हुआ भाव

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सितंबर के अंतिम हफ्ते की बारिश ने सब्जियों की कीमतों में गरमी ला दी है। सब्जियों की कीमतें 200 रुपए किलो तक पहुंच गई हैं। सबसे महंगा हरा मटर है। यह इस समय बाजार में 200 रुपए किलो बिक रहा है।

थोक और रिटेल मार्केट में भी महंगाई:- नासिक से लेकर मुंबई तक सब्जियों की कीमतों में तेजी है। थोक भाव के साथ-साथ रिटेल मार्केट में भी सब्जियां महंगी हैं। यहां तक कि प्याज का भाव अब 40 रुपए किलो पहुंच गया है। आलू की कीमत 30 रुपए किलो रिटेल मार्केट में है। फ्लावर की कीमत 100 रुपए को पार कर गई है। शिमला मिर्च 60 रुपए किलो बिक रही है तो नेनुआ (गलका) भी 60 रुपए किलो बिक रहा है।

पहले हफ्ते में सब्जियां महंगी

नासिक से मुंबई सब्जी लाकर बेचनेवाले बंशराज चौहान कहते हैं कि अक्टूबर के पहले हफ्ते में सब्जियां थोक भाव में काफी महंगी हो गई हैं। इसका कारण बारिश है। बारिश से सब्जियों का नुकसान हुआ है और इससे आवक कम हो गई है। अब तो नासिक के किसानों के पास भी सब्जियां बहुत खराब क्वालिटी की आ रही हैं।

करैला 40 रुपए किलो:- करैला की कीमत जहां 40 रुपए किलो हो गई है, वहीं पत्ता गोभी 20 रुपए किलो बिक रही है। टमाटर 40 से 60 रुपए किलो बिक रहा है जबकि वांगी 80 रुपए किलो बिक रही है। भिंडी की कीमत 40 रुपए से 50 रुपए किलो है। खीरा 40 रुपए किलो है तो आलू की कीमत 20-30 रुपए किलो है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर खरा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

टेलीकॉम कंपनियों को बड़ी राहत संभव

स्पेक्ट्रम यूजर चार्ज की समीक्षा करेगी सरकार, वोडाफोन आइडिया के शेयर 3 और एयरटेल के शेयर 2 फीसदी उछले

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

केंद्र सरकार टेलीकॉम कंपनियों को करीब 40,000 करोड़ रुपए के स्पेक्ट्रम यूजर चार्ज के बकाया मामले में राहत देने की तैयारी कर रही है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कहा है कि वह टेलीकॉम कंपनियों से स्पेक्ट्रम यूजर चार्ज वसूलने की प्रक्रिया की समीक्षा कर रही है। दूरसंचार विभाग ने इसके लिए कोर्ट से कम से कम तीन हफ्ते की मोहलत मांगी थी, जिसे कोर्ट ने मंजूरी दे दी है।

वित्तीय संकट से गुजर रहा टेलीकॉम सेक्टर:- मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर दूरसंचार विभाग ने कहा है कि वह टेलीकॉम कंपनियों के खिलाफ मामले को आगे बढ़ाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार कर रही है। सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामा में सरकार ने कहा कि टेलीकॉम सेक्टर विभिन्न परिस्थितियों के कारण कुछ समय से वित्तीय संकट से गुजर रहा है। सरकार द्वारा जनहित में किए गए कुछ उपायों के बावजूद, मोबाइल फोन और ब्रॉडबैंड प्रदान करने वाले अधिकांश ञ्जस्क्क घाटे में चल रहे हैं। सरकार ने कहा कि भारतीय बैंक संघ ने भी केंद्र सरकार को लिखित रूप में सूचित किया है कि टेलीकॉम सेक्टर में प्रतिकूल विकास विफलताओं, खत्म होती प्रतिस्पर्धा, एकाधिकार, अस्थिर संचालन और बैंकिंग प्रणाली के लिए गंभीर नुकसान का कारण बन सकता है, जिसका इस क्षेत्र में बहुत बड़ा जोखिम है।

एयरटेल पर 8,414 करोड़ का OTSC बकाया

स्पेक्ट्रम यूजर चार्ज के लिए टेलीकॉम कंपनियों पर सरकार का 40,000 करोड़ रुपए बकाया है। देश की बड़ी टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल पर 8,414 करोड़ रुपए जबकि वोडाफोन आइडिया पर 4,389 करोड़ रुपए वन टाइम स्पेक्ट्रम चार्ज का बकाया है। अन्य स्पेक्ट्रम मामलों की समीक्षा की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2012 में 2जी घोटाले के मामले में 122 टेलीकॉम परमिट रद्द कर दिए थे। कोर्ट ने कहा कि इस सार्वजनिक असेट को नीलामी के द्वारा आवंटित होना चाहिए। तब तत्कालीन कैबिनेट ने निर्णय लिया कि अखिल भारतीय लाइसेंस के लिए किसी स्पेक्ट्रम आवंटन पर टेलीकॉम कंपनी से 1,658 करोड़ रुपए का एकमुश्त स्पेक्ट्रम यूजेज चार्ज लिया जाएगा।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।